NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.I B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

बिजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 275 लखनऊ, रविवार 31 मई 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

बंगाल भाजपा अध्यक्ष का दावा टीएमसी के कई एमएलए-एमपी आना चाहते हैं, पर अभी दरवाजा बंद

एजेंसी।

दिल्ली। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने बताया है कि कई टीएमसी सांसद और विधायक भाजपा में शामिल होना चाहते हैं, लेकिन फिलहाल दरवाजा बंद है। भाजपा ने 2021 के दल–बदल से सबक लेते हुए अपनी जीत को अपनी शक्ति का परिणाम बताया है और बाहरी नेताओं को शामिल करने में कोई जल्दबाजी नहीं दिखा रही। यह पश्चिम बंगाल राजनीति में भाजपा की एक सधी हुई रणनीति को दर्शाता है। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने स्पष्ट किया है कि पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं को शामिल करने में कोई जल्दबाजी नहीं कर रही है। उनका दावा है कि राज्य में भाजपा की जीत के बाद टीएमसी के कई मौजूदा सांसद और विधायक भाजपा में शामिल होने के इच्छुक हैं, लेकिन पार्टी ने फिलहाल ऐसे नेताओं के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं। पीटीआई समाचार एजेंसी को दिए एक साक्षात्कार में भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा ने अपने दम पर निर्णायक जनादेश प्राप्त किया है, इसलिए वह प्रतिद्वंद्वी दलों के नेताओं को समायोजित करने के लिए बाध्य नहीं है और उसने 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले हुए बड़े पैमाने पर दलबदल से सबक लिया है।किसी नेता का नाम लिए बिना या आंकड़े बताए बिना उन्होंने कहा कि कई टीएमसी सांसद और विधायक हमारे साथ जुड़ने को तैयार हैं, लेकिन मैं आंकड़ों पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि भाजपा को राज्य में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अब बाहरी नेताओं की जरूरत नहीं है। "अभी दरवाजा बंद है। हमें चुनाव जीतने के लिए अब किसी टीएमसी नेता की जरूरत नहीं है। हम अपने दम पर जीते हैं।हालांकि, भट्टाचार्य ने कुछ शर्तों के तहत भविष्य में नेताओं को शामिल करने की संभावना को खुला रखा। उन्होंने कहा कि राजनीति में दो और दो हमेशा चार नहीं होतेय हम किसी भी दागी नेता के लिए अपने दरवाजे नहीं खोलेंगे३ यह फैसला सामूहिक होगा, किसी एक व्यक्ति का नहीं। उन्होंने आगे कहा कि भले ही भाजपा भविष्य में नए नेताओं को शामिल करने पर विचार करे, लेकिन भ्रष्टाचार, भर्ती घोटालों में संलिप्तता या टीएमसी के कथित सिंडिकेट नेटवर्क से जुड़े नेताओं का स्वागत नहीं किया जाएगा।सत्ताधारी पार्टी के विभिन्न वर्गों के बीच भेदभाव करने के आरोपों को खारिज करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि मैंने कभी यह नहीं कहा कि कोई टीएमसी अच्छी है या कोई टीएमसी बुरी। टीएमसी और भ्रष्टाचार एक दूसरे के पर्याय बन गए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि टीएमसी से जुड़े कुछ ऐसे व्यक्ति भी थे जो उनके द्वारा वर्णित भ्रष्ट तंत्र से बाहर रहे और उन्होंने चुनाव में भाजपा का समर्थन किया।

संवाददाता।

राजनाथ सिंह का दावा, आपरेशन सिंदूर में भारत ने नेवी पाकिस्तान को बंदरगाहों में दुबका दिया!

लखनऊ। राजनाथ सिंह ने लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका का उद्घाटन करते हुए ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया, जिसने पाकिस्तानी नौसेना को अपने बंदरगाहों तक सीमित कर दिया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समुद्री सुरक्षा पूरे राष्ट्र से जुड़ी है और यह संग्रहालय नौसेना की परिचालन क्षमताओं तथा आईएनएस गोमती की ऐतिहासिक सेवाओं को प्रदर्शित करेगा।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारतीय नौसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरी पाकिस्तानी नौसेना को अपने बंदरगाहों तक सीमित रहने पर मजबूर कर दिया। यहाँ खुले में बने नौसेना संग्रहालय श्नौसेना शौर्य वाटिकाश के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखने में नौसेना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमारी नौसेना पूरी तैयारी और ताकत के साथ अरब सागर में तैनात थी और दुश्मन पर लगातार दबाव बनाए रखा। परिणामस्वरूप, पाकिस्तान की पूरी नौसेना अपने बंदरगाहों तक सीमित रही।पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए 7 मई, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था, जिसमें भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में कई आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। 10 मई की शाम दोनों पक्षों के बीच समझौता होने के बाद सैन्य संघर्ष समाप्त हो गया। भारतीय नौसेना की विरासत, परिचालन क्षमताओं और समुद्री उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन की गई नौसेना शौर्य वाटिका के उद्घाटन के बारे में बात करते हुए, सिंह ने कहा कि यह न केवल लखनऊ और उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए, बल्कि हमारे लिए भी व्यक्तिगत रूप से गर्व और सम्मान का क्षण है।उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में, यह सुविधा न केवल लखनऊ के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगी, बल्कि एक पर्यटन केंद्र के रूप में भी विकसित होगी और शहर के प्रमुख स्थलों में से एक के रूप में उभरेगी। इससे पहले, सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य की उपस्थिति में सीजी सिटी क्षेत्र में शौर्य वाटिका का उद्घाटन किया।भारतीय नौसेना और उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से विकसित यह संग्रहालय नौसेना की बहादुरी, शौर्य और तकनीकी उत्कृष्टता को समर्पित है। लखनऊ जैसे भू–बद्ध शहर में नौसेना संग्रहालय की स्थापना के पीछे के तर्क पर सिंह ने कहा कि समुद्री सुरक्षा प्रत्येक नागरिक से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर हमारी अर्थव्यवस्था, व्यापार और ऊर्जा आवश्यकताओं से जुड़ा है। इसकी रक्षा करने वाले भारत के हर गांव, कस्बे और शहर से आते हैं। सिंह ने कहा कि नौसेना पूरे राष्ट्र की संपत्ति है, और इसकी शक्ति प्रत्येक नागरिक के संकल्प और विश्वास से आती है, चाहे वे समुद्र के किनारे रहते हों या लखनऊ जैसे शहर में। संग्रहालय के केंद्रबिंदु, सेवामुक्त युद्धपोत आईएनएस गोमती का जिक्र करते हुए सिंह ने लखनऊ से इसके संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार गोमती नदी शहर से होकर बहती है और अंततः गंगा और फिर समुद्र में मिल जाती है, ।

संवाददाता।

35 करोड़ पौधों से सजेगा उत्तर प्रदेश, 1900 से अधिक नर्सरियों में 52 करोड़ पौधे तैयार

लखनऊ। योगी सरकार के निर्देश पर वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग पौधारोपण महाभियान–2026 की तैयारियों में जुट गया है। इस वर्ष भी मानसून सीजन में जनसहभागिता से 35 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है। इसके निमित्त 1900 से अधिक नर्सरियों में 52.44 करोड़ पौधे तैयार किए जा रहे हैं। विगत 9 वर्ष में उत्तर प्रदेश ने 242 करोड़ से अधिक पौधरोपण किया है। नोडल विभाग (वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन) सर्वाधिक 15 करोड़ से अधिक पौधरोपण करेगा। इसे लेकर जिला वृक्षारोपण समिति की नियमित बैठकें भी चल रही हैं। इस बार भी कई नवीन वन स्थापित होने के साथ ही गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे भी 5.50 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। इसके साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) को भी वृहद पौधारोपण कार्यक्रम होगा।52.44 करोड़ पौधे कराए जा रहे तैयारमानसून सीजन में वृहद पौधरोपण के लिए वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग निरंतर बैठक, संवाद स्थापित कर रहा है। इसके साथ ही पौधों को लेकर भी विभाग की तैयारी चल रही है। 1900 से अधिक नर्सरियों में 52.44 करोड़ पौधे तैयार कराया जा रहा है। इसमें औद्योगिक व इमारती, चारा व शोभाकार, पर्यावरणीय, फलदार, औषधीय समेत सभी प्रकार के पौधे तैयार किए जा रहे हैं।गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे लगेंगे 5.50 लाख पौधेप्रदेश के एक्सप्रेसवे के किनारे भी पौधरोपण किया जाएगा। इस बार विशेष रूप से गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे पौधे लगाए जाएंगे। 594 किमी. लंबे गंगा एक्सप्रेसवे की दोनों पटरियों पर वन विभाग 500 हेक्टेयर क्षेत्र में 5.50 लाख पौधरोपण करेगा। दोनों पटरी पर हर एक किमी. पर हरिशंकरी रोपा जाएगा, जबकि बीच–बीच में पीपल, पाकड़, बरगद, नीम, गूलर, महुआ, आम, अर्जुन, चिलबिल, अमलतास, कचनार, जकरकंडा, गुलमोहर आदि प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इनकी सुरक्षा के लिए तार से फेंसिंग व सिंचाई के लिए ड्रिप इरीगेशन सुनिश्चित की जाएगी। कई नए वन भी किए जाएंगे स्थापित योगी सरकार प्रत्येक वर्ष नवीन विशिष्ट वन स्थापित करती है। इस थीम के अंतर्गत पौधरोपण महाभियान–2026 में इस वर्ष महर्षि चरक औषधि वन, समरस वन, समृद्धि वन, कृषि वन, ऊर्जा वन, कपि वन समेत अनेक नवीन वन स्थापित किए जाएंगे। अभियान का प्रमुख हिस्सा मिशन छाया, अविरल धारा पौधरोपण, सहजन भंडारा, आम भंडारा भी होगा। मिशन छाया के तहत गर्मी से राहत देने के लिए सड़क किनारे व सार्वजनिक स्थलों पर छायादार पौधे भी लगाए जाएंगे। इसके अलावा 15 अगस्त को वंदे मातरम वाटिका, 28 अगस्त को रक्षाबंधन पर भाई–बहन पौधरोपण व 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर 'एक पेड़ गुरु के नाम' भी लगाया जाएगा।मुख्यमंत्री का निर्देश– जनसहभागिता से मनाया जाए उत्सवमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पौधरोपण महाभियान–2026 की तैयारी को लेकर विगत दिनों बैठक ली थी। उन्होंने बैठक में जनसहभागिता पर विशेष जोर देते हुए इसे उत्सव के रूप में मनाने का निर्देश दिया था। सीएम योगी ने कहा था कि इसमें सभी जनप्रतिनिधियों, संस्थाओं, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र, युवक–महिला मंगल दल, रोटरी–लायंस, ईको क्लब, एफपीओ, व्यापार मंडल आदि की भी सहभागिता अनिवार्य रूप से हो। कृषि विभाग की देखरेख में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पंजीकृत किसान भी महाभियान का हिस्सा बनेंगे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग पौधारोपण महाभियान–2026 की तैयारी में जुट गया है। मानसून सीजन में इस बार 35 करोड़ पौधरोपण प्रस्तावित है।

संवाददाता।

सिगरेट के विवाद में अयोध्या के भाजपा युवा मोर्चा नेता की हत्या में आरोपित तीन गिरफ्तार, लखनऊमें की गई थी हत्या

लखनऊ। सिगरेट न देने पर अयोध्या निवासी भाजपा युवा मोर्चा के जिला कमेटी सदस्य शिवम सिंह उर्फ शिव स्वयं सिंह की ईंट–पत्थरों से हमला कर हत्या करने वाले तीन आरोपितों को विभूतिखंड पुलिस ने क्राइम टीम की मदद से शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। इनके साथ ही फरार मुख्य आरोपित पर विभूतिखंड पुलिस ने 25 हजार का रुपये का इनाम घोषित किया है। दबंगों ने सिगरेट दोबारा न देने पर शिवम को मारा था। इंस्पेक्टर विभूतिखंड अमर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित में डालीगंज निवासी शान्तनु उर्फ अंकित रावत, अलीगंज निवासी हनी तिवारी उर्फ विवेक और आजमगढ़ निवासी विवेक सिंह शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक शान्तनु और हनी के खिलाफ लूट, हत्या के प्रयास, गैंगस्टर और आर्म्स एक्ट समेत कई संगीन मुकदमे पहले से दर्ज हैं। वहीं मामले का चौथा आरोपित आजमगढ़ के दीदारगंज निवासी अनुज सिंह अभी फरार है। इंस्पेक्टर ने बताया कि सीसी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने शान्तनु उर्फ अंकित रावत, हनी तिवारी उर्फ विवेक और विवेक सिंह की

पहचान की थी। आरोपितों ने पूछताछ में बताया कि दूसरी सिगरेट मांगी थी, जिसको लेकर शिवम ने मना कर दिया था कहासुनी होने पर वह जाने लगे। तभी शिवम पीछे से आए और गाली गलौज करने लगे। इस पर उनके साथ मौजूद अनुज ने पीछा करना शुरु कर दिया। जब तक वह लोग कुछ समझते उसने कठौता झील के पास पत्थर से हमला शुरु कर दिया था। नशे में होने के कारण उन लोगों ने भी साथ दिया। इस दौरान सिर में पत्थर लगने से घायल होकर गिर पड़ा तो वह लोग वहां से फरार हो गए। आरोपितों के पास से सिर में लगने वाले पत्थर को भी पुलिस ने बरामद कर लिया।मना करने पर भी नहीं माना अनुजआरोपितों ने बताया कि पत्थर चलाने के दौरान अनुज को उन लोगों ने रोका था, लेकिन वह नहीं माना और पत्थर चलाता रहा। डीसीपी पूर्वी डा. दीक्षा शर्मा ने बताया कि अनुज पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया है। साथ ही घटना में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। बीती 25 मई की देर रात शिवम सिंह अपने दोस्तों निलेश और जीशान के साथ लखनऊ आए थे। तीनों विभूतिखंड स्थित जलवा क्लब में पार्टी करने पहुंचे थे। पार्टी के बाद क्लब के बाहर एक गुमटी पर सिगरेट लेने के दौरान बाइक सवार युवकों से विवाद हो गया। आरोप है कि युवकों ने सिगरेट मांगी थी। एक सिगरेट देने के बाद दूसरी सिगरेट मांगने पर कहासुनी शुरू हो गई। इसके बाद दोनों पक्ष वहां से चले गए। जांच में सामने आया कि कुछ देर बाद कठौता झील के पास दोनों पक्ष फिर आमने–सामने आ गए। वहां आरोपितों ने शिवम और उसके साथियों पर ईंट–पत्थरों से हमला कर दिया।

कलकता में सियासी हलचल,अभिषेक बनर्जी के घर फिर सीआईडी की दस्तक, टीएमसी में हड़कंप

एजेसी।

बगाल। न तो सीआईडी के शीर्ष अधिकारियों ने और न ही डायमंड हार्बर सांसद के प्रतिनिधियों ने इस मुलाकात के उद्देश्य या परिणाम के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी किया है। पश्चिम बंगाल केंद्रीय जांच विभाग (सीआईडी) के चार अधिकारियों की एक टीम शनिवार दोपहर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के आधिकारिक आवास शांतिनिकेतन पर अचानक पहुंच गई। यह अचानक दौरा एक सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार है जब कानून प्रवर्तन कर्मियों ने भाबानीपुर निर्वाचन क्षेत्र के हरीश मुखर्जी रोड पर स्थित इस हाई–प्रोफाइल संपत्ति पर छापा मारा है। इससे ठीक चार दिन पहले, कोलकाता पुलिस की एक अलग टीम ने भी इसी परिसर का दौरा किया था। राज्य जांच एजेंसी की इस अचानक कार्रवाई के पीछे का विशिष्ट उद्देश्य अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने पुष्टि की है कि सीआईडी घ्घ्के पहुंचने पर बनर्जी अपने आवास पर मौजूद नहीं थे। उनकी अनुपस्थिति में, सीआईडी घ्घ्की चार सदस्यीय टीम ने घटनास्थल पर मौजूद सांसद के एक करीबी सहयोगी से गहन पूछताछ की और फिर वहां से रवाना हो गई।शनिवार शाम तक, न तो सीआईडी घ्घ्के शीर्ष अधिकारियों ने और न ही डायमंड हार्बर सांसद के प्रतिनिधियों ने इस मुलाकात के उद्देश्य या परिणाम के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी किया है। सोमवार को कोलकाता का राजनीतिक परिदृश्य उस समय अचंभित रह गया जब छह से दस कोलकाता पुलिसकर्मियों की एक टुकड़ी ने डायमंड हार्बर सांसद अभिषेक बनर्जी के आवास पर अचानक दौरा किया। हालांकि अधिकारियों ने इस कार्रवाई का कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं दिया, लेकिन जाते हुए पुलिसकर्मियों को परिसर से एक

कंप्यूटर मॉनिटर ले जाते हुए देखा गया। इस गतिविधि ने व्यापक अटकलों को हवा दी कि पुलिस संपत्ति के आसपास लगे निगरानी नेटवर्क के कुछ हिस्सों को नष्ट कर रही थी। विशेष रूप से, ऐसा माना जाता है कि टीम ने सीसीटीवी कैमरे हटा दिए हैं जो मूल रूप से बाहरी सुरक्षा निगरानी के लिए लगाए गए थे, उस समय जब बनर्जी को विशिष्ट जेड़ सुरक्षा श्रेणी प्रदान की गई थी। एक विशेषाधिकार जिसे पश्चिम बंगाल की राजनीतिक सत्ता संरचना में हालिया बदलाव के बाद राज्य सरकार द्वारा रद्द कर दिया गया था। हालांकि बनर्जी ने इस दौरे पर एक शब्द भी नहीं कहा, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद सौगता रॉय ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा बताया। यह राजनीतिक बदले की भावना का हिस्सा है। बंगाल के विभिन्न हिस्सों में टीएमसी नेताओं के घरों पर छापे मारे जा रहे हैं।

तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी पर जानलेवा हमला, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने की निंदा

संवाददाता।

लखनऊ। बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे व तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर शनिवार को हमले की समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने निंदा की है। उन्होंने इसको सुनियोजित हमला बताया और शुभेंद्र अधिकारी सरकार पर निशाना साधा।समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक बनर्जी पर शनिवार को दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में चप्पल, जूते और डंडे को चुनावोत्तर हिंसा बताया है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर अपने एक्स हैंडल पर अभिषेक बनर्जी पर हमले को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त की है।उन्होंने लिखा कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के महत्वपूर्ण नेता अभिषेक बनर्जी पर जानलेवा हमला करवाकर बंगाल की अराजक भाजपा सरकार ने साबित कर दिया है कि भाजपा नफरत भरी नकारात्मक हिंसक राजनीति के सिवा और कुछ नहीं कर सकती है। इतने संवेदनशील वातावरण में भी पुलिस की व्यवस्था न होना एक बड़ी साजिश की ओर इशारा करती है। घोर निंदनीय।गौरतलब है कि सांसद अभिषेक बनर्जी के सोनारपुर पहुंचने से पहले शनिवार को कामलगाजी इलाके में महिलाओं ने काले झंडे दिखाकर विरोध दर्ज कराया। इसके बाद जैसे ही अभिषेक सोनारपुर में दाखिल हुए विरोध और उग्र हो गया। भीड़ ने उन्हें घेर लिया और लगातार अंडे फेंके गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धक्का–मुक्की और हाथापाई में उनकी घड़ी और चश्मा भी क्षतिग्रस्त हो गए। विरोध के बावजूद अभिषेक अंततः चुनाव बाद हिंसा में मारे गए तृणमूल कार्यकर्ता संजू कर्मकार के घर पहुंचे। वहां उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में "डबल इंजन सरकार" के नाम पर विपक्षी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि वे वहां से चले जाते तो पीड़ित परिवार और अधिक असुरक्षित हो जाता।

रोबोटिक तकनीक से टान्सिल कैंसर का सफल उपचार, मैक्स अस्पताल लखनऊमें बिना बाहरी कट हुई सर्जरी

लखनऊ,(आरएनएस) । कैंसर उपचार में आधुनिक तकनीक के बढ़ते उपयोग का एक महत्वपूर्ण उदाहरण सामने आया है। लखनऊ स्थित मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में स्टेज–2 टॉन्सिल कैंसर से पीड़ित 35 वर्षीय मरीज का ट्रांस ओरल रोबोटिक सर्जरी (टीओआरएस) के माध्यम से सफल उपचार किया गया। अत्याधुनिक रोबोटिक प्रक्रिया के जरिए बिना किसी बाहरी कट, बिना दिखाई देने वाले निशान और कम रिकवरी समय में ट्यूमर को सटीक तरीके से हटाया गया।बहराइच निवासी शकील अहमद पिछले कई सप्ताह से लगातार गले में दर्द और निगलने में परेशानी से जूझ रहे थे। शुरुआत में उन्होंने इसे सामान्य संक्रमण समझकर अनदेखा किया, लेकिन समस्या बढ़ने और दैनिक कार्यों के साथ खानपान में बाधा उत्पन्न होने पर उन्होंने चिकित्सकीय परामर्श लिया।मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ में विस्तृत जांच और चिकित्सकीय मूल्यांकन के बाद शकील अहमद को स्टेज–2 टॉन्सिल कैंसर होने की पुष्टि हुई। चिकित्सकों के अनुसार टॉन्सिल कैंसर, हेड एंड नेक कैंसर का एक प्रकार है, जिसका समय पर उपचार न होने पर बोलने, निगलने और जीवन की गुणवत्ता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।मरीज का उपचार सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. कमलेश वर्मा और उनकी बहु–विषयक कैंसर विशेषज्ञ टीम की देखरेख में किया गया। ट्यूमर की स्थिति और कैंसर की अवस्था को देखते हुए विशेषज्ञों ने अत्याधुनिक दा विंची सर्जिकल सिस्टम की सहायता से ट्रांस ओरल रोबोटिक सर्जरी करने का निर्णय लिया। इस प्रक्रिया के तहत गर्दन के लिम्फ नोड्स को छोटे चीरे के माध्यम से हटाया गया, जबकि टॉन्सिल ट्यूमर को रोबोटिक तकनीक से निकाला गया। इससे शरीर पर बहुत कम निशान रहे और मरीज की रिकवरी अपेक्षाकृत तेज रही।डॉ. कमलेश वर्मा ने बताया कि ट्रांस ओरल रोबोटिक सर्जरी हेड एंड नेक कैंसर के उपचार में एक बड़ी प्रगति मानी जा रही है। उनके अनुसार कुछ चुनिंदा मरीजों में यह तकनीक लंबे समय तक चलने वाली कीमोथेरेपी अथवा रेडिएशन थेरेपी की आवश्यकता को काफी हद तक कम कर सकती है और कुछ मामलों में इससे बचाव भी संभव है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें चेहरे पर किसी प्रकार का बाहरी कट या दिखाई देने वाला निशान नहीं रहता, जिससे मरीज तेजी से सामान्य जीवन में लौट पाते हैं और उनकी जीवन गुणवत्ता बेहतर बनी रहती है।अस्पताल प्रशासन के अनुसार इस न्यूनतम हस्तक्षेप वाली तकनीक से शरीर के ऊतकों को कम नुकसान पहुंचा, ऑपरेशन के बाद दर्द कम रहा तथा रिकवरी का समय भी काफी घट गया। सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति संतोषजनक रही और वह तीन से चार दिनों के भीतर स्थिर हो गए। कुछ समय बाद उन्होंने सामान्य रूप से भोजन लेना भी शुरू कर दिया तथा रिकवरी के दौरान उन्हें अपेक्षाकृत कम परेशानी का सामना करना पड़ा।विशेषज्ञों का कहना है कि हेड एंड नेक कैंसर, जिसमें टॉन्सिल कैंसर भी शामिल है, अब कम उम्र के लोगों में भी तेजी से सामने आ रहा है। तंबाकू सेवन, धूम्रपान, मदिरा सेवन और एचपीवी संक्रमण इसके प्रमुख जोखिम कारकों में शामिल हैं। चिकित्सकों ने सलाह दी है कि लगातार गले में दर्द, निगलने में परेशानी, आवाज में बदलाव या गर्दन में बिना कारण सूजन जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और समय रहते जांच करानी चाहिए।

सलमान खान को धमकी देने वाला प्रयागराज का हिस्ट्रीशीटर चेन स्नैचिंग में गिरफ्तार

शेरा पर 24 मुकदमे दर्ज, कभी अतीक अहमद से भी था कनेक्शन

प्रयागराज। प्रयागराज के कुख्यात अपराधी को लखनऊ में महिला से चेन लूटने के मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वाहन चेकिंग के दौरान पकड़े गए आरोपी शाहरुख उर्फ शेरा के कब्जे से लूटी गई चेन का हिस्सा, नकदी और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद हुई है।

पुलिस के व अनुसार शेरा प्रयागराज का चिन्हित हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, रंगदारी, लूट, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट समेत करीब 24 मुकदमे दर्ज हैं। मामले में उसका एक साथी अभी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

शेरा पहले भी कई चर्चित मामलों में चर्चा में रहा है। उसका नाम अभिनेता सलमान खान को धमकी देने और अन्य संगीन आपराधिक मामलों में सामने आ चुका है। पुलिस उसके आपराधिक नेटवर्क और हालिया गतिविधियों की जांच कर रही है।

मूल रूप से प्रयागराज के शाहगंज थाना क्षेत्र का रहने वाला शाहरुख उर्फ शेरा लंबे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ प्रयागराज के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, रंगदारी, लूट, बमबाजी और अवैध हथियार रखने समेत करीब 24 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार 6 मई को लखनऊ के गाजीपुर थाना क्षेत्र में इंदिरा नगर स्थित इरम कॉन्वेंट स्कूल के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने एक महिला के गले से सोने की चेन झपट ली थी। घटना के बाद पीड़िता के पति विनय गुप्ता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

जांच के दौरान 28 मई को बंधा रोड स्थित मजार के पास वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार एक संदिग्ध युवक आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर उसने भागने की कोशिश की, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसकी पहचान प्रयागराज निवासी शाहरुख उर्फ शेरा के रूप में हुई ।पुलिस मामले में उसके फरार साथी की तलाश कर रही है।

तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके

कब्जे से चेन स्नैचिंग की घटना से संबंधित सोने की चेन का टुकड़ा, दूसरी वारदात से जुड़े 8 हजार रुपए नकद और घटना में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की होंडा एसपी–125 मोटरसाइकिल बरामद की। चेसिस नंबर के आधार पर वाहन का पंजीकरण नंबर भी पुलिस ने पता कर लिया।

शेरा प्रयागराज पुलिस का चिन्हित हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ करेली, शाहगंज, खुल्दाबाद और अन्य थानों में रंगदारी, हत्या के प्रयास, लूट, गैंगस्टर, आर्म्स एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत कई मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2009 से लेकर 2020 तक उसके खिलाफ लगातार गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होते रहे हैं।

शेरा वर्ष 2018 में उस समय सुर्खियों में आया था जब उसने अभिनेता सलमान और उनके निजी सहायक को फोन कर जान से मारने की धमकी दी थी। उसने खुद को अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील का करीबी बताते हुए कई कॉल किए थे। इसके बाद मुंबई क्राइम ब्रांच ने प्रयागराज पुलिस की मदद से उसे करेली क्षेत्र से गिरफ्तार किया था।

फर्जी दस्तावेजों से पैतृक भूमि हड़पने के षडत्र का खुलासा, दो वांछित आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (आरएनएस)। मोहनलालगंज थाना पुलिस ने फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर करोड़ों रुपये मूल्य की पैतृक भूमि हड़पने के कथित षड्यंत्र में शामिल दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे और उनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी।पुलिस के अनुसार 11 दिसंबर 2025 को ख्यालीगंज, कैसरबाग निवासी समीर मिर्जा की शिकायत पर मोहनलालगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि ग्राम अमेठी, तहसील मोहनलालगंज स्थित उनकी पैतृक भूमि पर फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार कर अवैध दावा प्रस्तुत करते हुए कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है।विवेचना के दौरान सामने आया कि मुख्य आरोपी मोहम्मद फरीद मिर्जा ने स्वयं को वादी के दिवंगत चाचा खुसरू मिर्जा का वारिस दिखाने के लिए कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कराए। आरोप है कि इसके लिए उसने वास्तविक पारिवारिक विवरण छिपाकर फर्जी जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र तथा अन्य दस्तावेज तैयार कर न्यायालय और अन्य मंचों पर प्रस्तुत किए। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने अपनी जीवित मां को मृत दर्शाते हुए फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कराया और कथित दफन से संबंधित भ्रामक दस्तावेजों का भी उपयोग किया।पुलिस के अनुसार संबंधित विभागों और संस्थाओं से प्राप्त रिपोर्ट में इन अभिलेखों के फर्जी और कूटरचित होने की पुष्टि हुई है। साक्ष्य संकलन के दौरान यह भी प्रकाश में आया कि कथित षड्यंत्र में कई अन्य लोगों की सक्रिय भूमिका रही। आरोपियों ने स्वयं को वादी पक्ष का रिश्तेदार बताकर संपत्ति पर दावा मजबूत करने का प्रयास किया तथा भूमि विक्रय अनुबंधों से प्राप्त धनराशि विभिन्न बैंक खातों में हस्तांतरित की गई।प्रकरण में पूर्व में मोहम्मद फरीद मिर्जा, मोहम्मद अशफाक मिर्जा उर्फ बाबू मियां और कलीम खां को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं फरार चल रहे फुरकान अहमद अब्बासी और अभिषेक यादव की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। इसी क्रम में 29 मई 2026 को मोहनलालगंज थाना पुलिस ने बारादरी चौराहा, कैसरबाग के पास दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फुरकान अहमद अब्बासी निवासी कस्बा अमेठी, थाना गोसाईगंज और अभिषेक यादव निवासी मुंशीगंज, कस्बा अमेठी, थाना गोसाईगंज के रूप में हुई है। दोनों प्रॉपर्टी डीलर बताए जा रहे हैं।

स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में वकील आमरण अनशन पर बैठे

अस्पताल निलंबित डश्क्टरों के नाम छिपाने, अबतक गिरफ्तारी न होने से नाराजगी

प्रयागराज। प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल परिसर में अधीक्षक गेट के बाहर हाईकोर्ट के अधिवक्ता रितेश श्रीवास्तव शुक्रवार से आमरण अनशन पर बैठे हैं। अधिवक्ता का आरोप है कि घटना के दस दिन बाद भी न तो किसी आरोपी की गिरफ्तारी हुई है और न ही निलंबित किए गए डॉक्टरों और कर्मियों के नाम सार्वजनिक किए गए हैं।

अनशन पर बैठे अधिवक्ता रितेश श्रीवास्तव का कहना है कि उन्होंने पहले हाईकोर्ट के पास अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर भी तीन दिन तक आमरण अनशन किया था और अब अस्पताल परिसर में पांचवें दिन भी धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि जब तक निलंबित कर्मियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए जाते और गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ने पर आंदोलन सड़क और घरों तक भी पहुंचाया जाएगा।

ज्ञात हो कि 20 मई को एसआरएन अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में एक महिला अधिवक्ता को सड़क हादसे के बाद इलाज के लिए लाया गया था। इलाज में कथित देरी और व्यवहार को लेकर डॉक्टरों तथा साथ आए वकीलों के बीच विवाद शुरू हुआ, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। वकीलों ने आरोप लगाया कि महिला अधिवक्ताओं के साथ अभद्रता और मारपीट की गई, जबकि डॉक्टरों की ओर से भी हमले और अस्पताल में तोड़फोड़ के आरोप लगाए गए। इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। घटना के बाद मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने जांच समिति गठित करते हुए उस समय ड्यूटी पर मौजूद करीब 20 रेजिडेंट डॉक्टरों को निलंबित कर दिया था। हालांकि निलंबन आदेश में संबंधित डॉक्टरों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए, जिससे वकीलों में नाराजगी बनी हुई है।गौरतलब है कि घटना के बाद डॉक्टरों ने कई दिनों तक ओपीडी और सेवाएं प्रभावित रखीं, जबकि वकीलों ने सड़क जाम और प्रदर्शन किए थे। जिला प्रशासन, बार एसोसिएशन और मेडिकल कॉलेज प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ था। लेकिन अब अधिवक्ता के आमरण अनशन से एक बार फिर

विवाद गरमा गया है। फिलहाल अस्पताल प्रशासन उनकी सेहत को लेकर चिंता जताई है। लेकिन अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

गोमतीनगर में युवक की हत्या का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (आरएनएस) अपराध शाखा, स्वाटध्सर्विलांस टीम (पूर्वी) और विभूतिखण्ड थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने गोमतीनगर क्षेत्र में युवक की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त पत्थर भी बरामद किया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।पुलिस के अनुसार 25 और 26 मई 2026 की रात लखनऊ पब्लिक स्कूल, विनम्रखंड गोमतीनगर के पास कुछ लोगों ने एक युवक को पत्थर से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था और मौके से फरार हो गए थे। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।इस मामले में 27 मई 2026 को अयोध्या निवासी सौरभ सिंह की तहरीर पर विभूतिखण्ड थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि उनके भाई शिवम सिंह उर्फ शिव स्वयं सिंह (30) के साथ मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। बाद में उपचार के दौरान शिवम सिंह की मृत्यु हो गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों के निर्देशन में गठित पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। जांच में शान्तनु उर्फ अंकित रावत, हनी तिवारी उर्फ विवेक, विवेक सिंह तथा अनुज सिंह के नाम प्रकाश में आए।संयुक्त पुलिस टीम ने पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर 29 मई को शान्तनु उर्फ अंकित रावत, हनी तिवारी उर्फ विवेक और विवेक सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और निशानदेही के आधार पर पुलिस ने घटना स्थल से हत्या में प्रयुक्त पत्थर बरामद किया। वहीं फरार आरोपी अनुज सिंह की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं तथा घटना में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।गिरफ्तार आरोपियों में शान्तनु उर्फ अंकित रावत निवासी डालीगंज क्रासिंग, थाना अलीगंज, हनी तिवारी उर्फ विवेक निवासी सेक्टर–बी अलीगंज तथा विवेक सिंह निवासी थाना बरदह, जनपद आजमगढ़ शामिल हैं।

ड्यूटी जा रहे स्टेशन मास्टर पर हमला, आधी रात वारदात से खलबली

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय प्रयागराज में हैं तैनात

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र में आधी रात ड्यूटी पर जा रहे उत्तर मध्य रेलवे के स्टेशन मास्टर पर बदमाशों ने ईंट पत्थर से हमला किया। इससे वे घायल हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने धूमनगंज थाने पर तहरीर दी है। पुलिस जांच–पड़ताल और बदमाशों की तलाश कर रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार बबलू कुमार उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मुख्यालय में आपातकालीन नियंत्रण कक्ष में स्टेशन मास्टर के पद पर कार्यरत हैं। वह माल गोदाम रेलवे कॉलोनी के निवासी है। शुक्रवार को उनकी ड्यूटी रात 12 से प्रातः आठ बजे तक की थी। ड्यूटी पर जाने का लिए वह अपने निवास से बाइक पर सवार होकर निकले।बबलू कुमार चौफटका से कालिंदीपुरम जाने वाले फ्लाईओवर के नीचे पहुंचे, इसी दौरान करीब चार–पांच की संख्या में अज्ञात युवकों ने उनको रोकने का प्रयास किया। जब वे नहीं रुके तो बदमाशों ने उन पर ईंट–पत्थर फेंककर जानलेवा हमला किया, जिससे बबलू घायल हो गए।पीड़ित ने बताया कि घटनास्थल से कुछ आगे बढ़ने पर एक बाइक सवार एवं एक ऑटो चालक भी मिले, जिन्होंने बताया कि उनके साथ भी मारपीट की गई तथा उनके पैसे एवं मोबाइल छीन लिए गए। वे भी घायल अवस्था में थे। इसके बाद स्टेशन मास्टर बबलू कुमार ने डॉयल 112 पर सूचना दी, जिसके बाद घायलों को अस्पताल ले जाया गया। पीड़ित ने थाने पर तहरीर दी।

वरिष्ठ पत्रकार अमित तिवारी के निधन पर अखिलेश यादव ने जताया शोक, दी श्रद्धांजलि

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने वरिष्ठ पत्रकार अमित तिवारी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने इसे समाचार जगत के साथ–साथ समाज के लिए भी स्तब्धकारी और दुखद क्षति बताया।अखिलेश यादव ने कहा कि अमित तिवारी का असामयिक निधन कई सवाल खड़े करता है, विशेषकर उन जिम्मेदारियों को लेकर जो किसी व्यक्ति के जाने के बाद उसके परिवार और आश्रितों के सामने रह जाती हैं। उन्होंने कहा कि एक सच्चा पत्रकार जीवन भर अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करते हुए लोकतंत्र को मजबूत बनाने और सच को सामने लाने का कार्य करता है। पत्रकार अपने मूल्यों और सिद्धांतों से समझौता किए बिना अनेक दबावों का सामना करता है, लेकिन कई बार परिस्थितियां उस पर भारी पड़ जाती हैं।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकारों को 'लोकतंत्र के वैचारिक सेनानी' के रूप में सम्मान और सामाजिक सुरक्षा मिलनी चाहिए, ताकि वे जीवन भर अपने दायित्वों का निष्पक्ष निर्वहन कर सकें। साथ ही उनके परिवारों को भी सम्मानजनक जीवनयापन के लिए आवश्यक सुरक्षा और सहयोग उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

पेट्रोल-डीजल किल्लत की अफवाहों पर प्रशासन सक्रिय

जिला पूर्ति अधिकारी कर रहे पेट्रोल पंपों का निरीक्षण, घटतौली पर होगी एफआईआर

प्रयागराज। जिले में पेट्रोल और डीजल की किल्लत को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला पूर्ति विभाग को पेट्रोल पंपों की जांच के निर्देश दिए। डीएम के निर्देश पर जिला पूर्ति अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने शहर और आसपास के कई पेट्रोल पंपों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान किसी भी पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल की कमी, अव्यवस्था या अनियमितता नहीं पाई गई।

जिला पूर्ति अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल और डीजल उपलब्ध है और आम लोगों को किसी तरह की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। जांच के दौरान जिला पूर्ति अधिकारी ने पेट्रोल पंपों पर पहुंचे ग्राहकों से भी बातचीत की। उन्होंने बताया कि किसी भी ग्राहक की ओर से पेट्रोल या डीजल की गुणवत्ता और मात्रा को लेकर कोई शिकायत सामने नहीं आई। इसके अलावा पेट्रोल पंपों पर उपलब्ध अन्य जन सुविधाओं जैसे पेयजल, शौचालय और सुरक्षा व्यवस्थाओं की भी जांच की गई, जिसमें अधिकांश पेट्रोल पंप निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए गए।जिला पूर्ति अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने कहा कि विभाग लगातार निगरानी बनाए हुए है और यदि किसी भी पेट्रोल पंप पर मिलावट, घटतौली, अवैध भंडारण या अन्य प्रकार की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित पेट्रोल पंप संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे मामलों में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराने के साथ–साथ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत भी कार्रवाई की जा सकती है।

जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और बिना वजह पेट्रोल पंपों पर भीड़ न लगाएं। अधिकारियों का कहना है कि जिले में पेट्रोल पंपों से लेकर डिपो तक पेट्रोल और

दृष्टिबाधित बच्चों के विद्यालय परिसर में हादसा, लोहे का गेट गिरने से बालक की मौत

लखनऊ, (आरएनएस)। राजधानी के महानगर थाना क्षेत्र स्थित दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग परिसर में संचालित बचपन डे–केयर दृष्टिबाधित बच्चों के विद्यालय भवन में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। विद्यालय परिसर में लगा लोहे का गेट अचानक गिरने से उसकी चपेट में आए आठ वर्षीय बालक की मौत हो गई।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह लगभग 09रू00 बजे से 09रू30 बजे के बीच घटना की सूचना मिली। प्रारम्भिक जांच में सामने आया कि राहुल कश्यप, जो जेबीटीसी कैम्पस में निवास करते हैं और रिक्शा चलाने का कार्य करते हैं, का भांजा शिवा कश्यप अपने मामा के यहां आया हुआ था। शिवा कश्यप की उम्र लगभग आठ वर्ष बताई गई है।बताया गया कि बालक विद्यालय परिसर में लगे झूले पर झूलने गया था। इसी दौरान भवन परिसर से बाहर निकलते समय वहां लगा लोहे का गेट अचानक गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।सूचना मिलते ही महानगर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और बालक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरने के साथ अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार घटना से जुड़े सभी तथ्यों की जांच की जा रही है।

मलिहाबाद रोड पर सड़क हादसा, बाइक सवार युवक की मौत

लखनऊ, (आरएनएस)। मलिहाबाद रोड स्थित नबीपनाह क्षेत्र में शनिवार को हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बाइक और ईको कार के बीच हुई टक्कर में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।पुलिस के अनुसार डेल्टा कंट्रोल के माध्यम से सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर मलिहाबाद थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले

दीवार गिरने से मजदूर की मौत, परिवार में मचा कोहराम

बल्दीराय सुलतानपुर। थाना क्षेत्र बल्दीराय के नटौली गांव में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में दिहाड़ी मजदूर की मौत हो गई। कच्ची दीवार गिराने के दौरान अचानक दीवार भरभराकर मजदूर के ऊपर गिर गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नटौली निवासी रामजग (40 वर्ष) पुत्र रामबली गांव के ही वसीम के घर पर मजदूरी कर कच्ची दीवार गिराने का कार्य कर रहा था। इसी दौरान अचानक दीवार ढह गई और रामजग उसके नीचे दब गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल उसे बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्दीराय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बल्दीराय पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष बल्दीराय महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। मजदूर की असामयिक मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है तथा गांव में शोक का माहौल व्याप्त है।

अनुसूचित जाति उप-योजना के तहत 300 किसानों को मिली कृषि सामग्री

सुलतानपुर। कृषि विज्ञान केंद्र में शनिवार को अनुसूचित जाति उप–योजना के अंतर्गत 300 किसानों को कृषि सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक खेती से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना है। किसानों को स्प्रेयर मशीन, 60 मीटर का लपेटा पाइप तथा 40 किलोग्राम बासमती धान के बीज उपलब्ध कराए गए। यह वितरण जिला प्रशासन और कृषि विभाग के सहयोग से किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के मुख्य कृषि वैज्ञानिक डॉ. जे.बी. सिंह ने बताया कि यह योजना भारत सरकार की अनुसूचित जाति उप–योजना का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य अनुसूचित जाति के किसानों का सामाजिक और आर्थिक उत्थान करना है। उन्होंने कहा कि किसानों को आधुनिक कृषि उपकरण और उन्नत बीज देकर खेती को अधिक लाभदायक और वैज्ञानिक बनाया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि सामग्री गन्ना अनुसंधान केंद्र के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है। चयनित किसानों का चयन दो वर्ष पहले किया गया था, ताकि उन्हें योजनाबद्ध तरीके से आधुनिक खेती से जोड़ा जा सके। कार्यक्रम के दौरान किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी भी दी गई। कृषि विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक विधियों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने के उपाय बताए।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बड़ा हादसा टला, ट्रैक्टर लदा ट्रेलर पलटा, चालक-खलासी सुरक्षित

सुल्तानपुर। शनिवार दोपहर पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर एक बड़ा सड़क हादसा होते–होते टल गया। पंजाब से असम के गुवाहाटी जा रहा ट्रैक्टरों से लदा एक भारी ट्रेलर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि ट्रेलर सड़क से नीचे उतर गया और उसमें लदे कई ट्रैक्टर क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि चालक और खलासी बाल–बाल बच गए और उन्हें केवल मामूली चोटें आईं।

जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना हलियापुर थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के पैकेज–03 पर किलोमीटर संख्या 80.200 के पास दोपहर करीब 12.50 बजे हुई। ट्रेलर पंजाब से ट्रैक्टर लेकर असम के गुवाहाटी की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार के दौरान चालक को अचानक नींद की झपकी आ गई, जिससे वह वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद ट्रेलर सीधे डिवाइडर से टकराया और पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही यूपीडा की रेस्क्यू टीम और एम्बुलेंस महज पांच मिनट के भीतर दोपहर 1 बजे मौके पर पहुंच गई। टीम ने तत्परता दिखाते हुए वाहन में फंसे चालक कन्हैया पुत्र मुन्नू लाल निवासी ददिया थाना टटिया जनपद फर्रुखाबाद तथा उनके साथी सौरव पुत्र दुर्ग नारायण को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना में दोनों को गंभीर चोटें नहीं आईं। यूपीडा की सेफ्टी टीम, एएसओ राम चंद्र वर्मा और एम्बुलेंस स्टाफ ने घायलों को तुरंत नजदीकी सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत सामान्य बताई गई। इस हादसे ने एक बार फिर लंबी दूरी के सफर में चालक की थकान और नींद के खतरे को उजागर कर दिया है।

सूक्ष्म सिंचाई पद्धति के लिए कुल 1644 हे0 का लक्ष्य

जौनपुर। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया है कि जनपद में जलस्तर में आ रही गिरावट और जल संसाधनों की कमी के कारण किसानो को समस्या का सामना करना पड रहा है, भूगर्भ जल का दोहन कम करने के लिए उद्यान विभाग की ओर से किसानो को ड्रिप, मिनी स्प्रिंलर, पोर्टेबल स्प्रिंकलर, रेनगन सिंचाई पद्धति अपनाने की सलाह दी गयी है। जिससे पानी व बिजली की बचत होगी इसके साथ ही किसान परम्परागत खेती का तरीका बदलकर अपनी आय को भी दोगुनी कर सकते है। शहर सहित ग्रामीण इलाको में भूमिगत जलस्तर काफी नीचे पहुंच चुका है, जलस्तर को गिरने से बचाने के लिए उद्यान विभाग की ओर से ड्रिप, व स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति पर जोर दिया जा रहा है। ड्रिप सिंचाई पद्धति से बूंद–बूंद पानी पौधो की जडो में जाता है यही स्प्रिंकलर से फुव्वारे की तरह पानी की बौछार होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे पानी की 70 प्रतिशत बचत होती है। ड्रिप व स्प्रिंकलर से उर्वरक का तरल रूप से छिडकाव करने से 50 प्रतिशत की बचत होती हैं एंव खर पतवार पर नियत्रंण बना रहता है। ऊँची नीची भूमि पर भी सामान रूप से सिंचाई की जा सकती है। विभाग की ओर से किसानो को ष्पर ड्राप मोर कापष् माइकोइरीगेशन योजनान्तर्गत अनुदान दिया जा रहा है, वित्तीय वर्ष 2026–27 वार्षिक कार्ययोजना में पर ड्राप मोर कापष् योजनान्तर्गत ड्रिप सिंचाई पद्धति स्थापना का लक्ष्य 499 हेक्टेयर, मिनी स्प्रिंकलर 168 हे०, माईको स्प्रिंकलर 40 हे0 पोर्टेबल स्प्रिंकलर 741 हे0 एवं लार्ज वाल्यूम (रेनगन) 196 हेक्टेयर, का लक्ष्य प्राप्त है, कुल 1644 हे0 का लक्ष्य प्राप्त है। जिसमें 01 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर ड्रिप ध् मिनी स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति स्थापित करने पर 90 प्रतिशत का अनुदान लघु सीमांतध्सीमांत कृषकों को तथा 80 प्रतिशत का अनुदान सामान्य कृषकों को दिया जाता है। इसी प्रकार पोर्टेबल स्प्रिंकलर तथा लार्ज वाल्यूम (रेनगन) प्रति हेक्टेयर स्थापित करने पर 75 प्रतिशत लघु सीमांत सीमांत तथा 65 प्रतिशत सामान्य कृषकों को अनुदान दिया जा रहा है। योजना का लाभ लेने हेतु इच्छुक कृषक ऑनलाईन नचउपच पोर्टल पर आवेदन कर सकते है।

हिंदी पत्रकारिता का समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान

जौनपुर। हिंदी पत्रकारिता का स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक देश व समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उक्त विचार जौनपुर पत्रकार संघ के अध्यक्ष शशिमोहन सिंह क्षेम ने हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में व्यक्त किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहाकि आज देश के लाखों युवा हिंदी समाचार पत्रों को पढ़कर उनसे ज्ञान अर्जित करके विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो रहे हैं। पत्रकार रामश्रृंगार शुक्ल गदेला ने कहाकि दो सौ वर्षों पूर्व पं. जुगल किशोर ने कलकत्ता से उदन्त मार्तण्ड नामक पत्र प्रकाशित करके हिंदी पत्रकारिता की नींव डाली थी। पत्रकार लोलारख दूबे ने कहाकि इलेक्ट्रानिक मीडिया के दौर में भी प्रिंट मीडिया का महत्व कम नहीं हुआ है।

राहुल गांधी मानहानि मामले की सुनवाई अब 5 जून को

सुल्तानपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में शनिवार को स्पेशल एमपीध्एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले की पत्रावली लोवर एमपीध्एमएलए कोर्ट से तलब कर ली है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 5 जून को होगी।बताया जा रहा है कि इससे पहले लोवर कोर्ट ने वादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पाण्डेय की उस अपील को खारिज कर दिया था, जिसमें राहुल गांधी की कथित वॉयस सैंपल और कोर्ट में जमा सीडी की आवाज का विधि विज्ञान प्रयोगशाला से मिलान कराने की मांग की गई थी। लोवर कोर्ट से अपील खारिज होने के बाद वादी अधिवक्ता संतोष पाण्डेय ने स्पेशल कोर्ट में रिवीजन याचिका दायर की है, जिस पर अब सुनवाई की जा रही है। गौरतलब है कि यह मानहानि का मुकदमा भाजपा नेता विजय मिश्रा की ओर से दर्ज कराया गया था।

जिलाधिकारी ने जिला स्वास्थ्य समिति, जिला आयुष समिति व राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक कर की समीक्षा

मीरजापुर 30 मई 2026– जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति, जिला आयुष समिति व राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियो को निर्देशित करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करे कि ओ0पी0डी0 चिकित्सक समय से आए व आने मरीजो से मधुर व्यवहार रखते हुए उनका समुचित उपचार करे। उन्होंने कहा कि सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी यह सुनिश्चित करे कि दवाईयो की उपलब्धता है अथवा नही इसकी नियमित जांच करते रहे। दवाईयो की उपलब्धता कम होने से पूर्व डिमांड भेज दे ताकि समय रहते दवाएं प्राप्त हो जाए। जिन योजनाओ मं डाटा एंट्री कराई जाती है उनमें डाटा एंट्री सही न होने पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियो को निर्देशित करते हुए कहा कि जिनकी डाटा एट्री में प्रगति खराब है अगले बैठक में डाटा आपरेटरो को साथ लाए ताकि जानकारी ली जा सके कि गड़बड़ी किसके स्तर हो रही है। मंत्रा एप पर बर्थ डोज की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि डाटा की फीडिंग सही कराने का निर्देश दिया। एम्बुलेंस 102 व 108 की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियो को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने अस्पताल में एम्बुलेंस से आने वाले मरीजो का एम्बुलेंस रजिस्टर से सत्यापन कराएं। उन्होंने कहा कि अभियान चलाते हुए जिले जनपद को टी0वी0 मुक्त बनाया जाए। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला स्तरीय समन्वय समिति की समीक्षा में जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि विशेष जागरूकता अभियान चलाएं एवं राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभारी को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन द्वारा गाइडलाइन का पालन करते हुए स्कूलो के आस पास तम्बाकू, पान, गुटका की दुकानो की सूची सम्बन्धित थानो व मुख्य चिकित्साधिकारी को उपलब्ध कराएं ताकि अग्रिम आवश्यक कार्यवाही कराई जा सके। बैठक में जिला आयुष समिति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी बिन्दुवार विस्तृत समीक्षा करते हुए क्षेत्रीय आयुर्वेदिक युनानी अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सी0एल0 वर्मा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

बहू पर सास की हत्या का आरोप, आरोपी बहू गिरफ्तार

सुलतानपुर। धम्मौर थाना क्षेत्र के राजापुर गांव में सास की हत्या के मामले में पुलिस ने वांछित बहू को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। पुलिस के अनुसार मृतका की बेटी की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार वादिनी ने आरोप लगाया था कि उसकी मां कुसुमा (55 वर्ष) पत्नी स्वर्गीय राम मिलन निवासी राजापुर थाना धम्मौर के साथ उसकी बहू ने 27 मई 2026 को मारपीट की थी, जिससे गंभीर चोटें आईं और उनकी मृत्यु हो गई। मामले में थाना धम्मौर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। शनिवार को धम्मौर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वांछित महिला अभियुक्ता को निगोलिया तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी महिला को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की विधिक कार्रवाई की गई।गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक विपेन्द्र कुमार वर्मा, हेड कांस्टेबल संजय कुमार, आरक्षी धीरज पाण्डेय तथा महिला आरक्षी वैष्णवी राव शामिल रहीं।

हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास में अनेक परिवर्तन

जौनपुरं(आरएनएस)। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, कम्युनिकेशन टुडे तथा भारती विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस एंड मैनेजमेंट , नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को हिन्दी पत्रकारिता विषयक दो राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किए गए। वेबिनारों में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, मीडिया संस्थानों एवं शोध संस्थाओं से जुड़े शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और मीडिया पेशेवरों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।प्रथम राष्ट्रीय वेबिनार "हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष रू परंपरा, परिवर्तन और भविष्य" विषय पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता की यात्रा उदन्त मार्तण्ड से प्रारंभ होकर आज रेडियो, टेलीविजन और वेब मीडिया के विभिन्न मंचों से गुजरते हुए वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त एवं विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुकी है। उन्होंने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचारों के प्रसार का माध्यम नहीं, बल्कि आमजन की आवाज, लोकतांत्रिक मूल्यों की संरक्षक तथा सामाजिक चेतना की संवाहक रही है। हिन्दी पत्रकारिता जितनी अधिक सशक्त, विश्वसनीय और समृद्ध होगी, देश का लोकतंत्र भी उतना ही अधिक मजबूत और जनोन्मुखी बनेगा। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार संपादक श्रीनारायण तिवारी ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों के इतिहास में अनेक परिवर्तन हुए हैं और उसने अनेक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का युग है, लेकिन यह कभी भी मानवीय बौद्धिक क्षमता का विकल्प नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि प्रिंट मीडिया में प्रकाशित समाचारों की विश्वसनीयता आज भी डिजिटल माध्यमों की तुलना में अधिक है। मुख्य वक्ता संपादक, संचार माध्यम एवं भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि पत्रकारिता को समाज के रचनात्मक और सकारात्मक पक्ष को पाठकों के सामने लाना होगा। दूसरे राष्ट्रीय वेबिनार "नई पीढ़ी की नजर से हिन्दी पत्रकारिता" में पूर्व डीन, एकेडमिक अफेयर्स, एम.डी. यूनिवर्सिटी, रोहतक के प्रो. हरीश कुमार तथा अध्यक्ष पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (मध्य प्रदेश) के प्रो. राघवेंद्र मिश्र ने अपने विचार व्यक्त किए।

जिला जेल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने शनिवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जेल परिसर की विभिन्न बैरकों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें कोई भी संदिग्ध या प्रतिबंधित सामग्री नहीं मिली। जिलाधिकारी ने जेल में निरुद्ध बंदियों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बंदियों से भोजन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। बंदियों ने बताया कि उन्हें समय पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।डीएम ने जेल अस्पताल का भी निरीक्षण किया और वहां भर्ती बंदियों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य संबंधी हालात की जानकारी ली। मरीज बंदियों ने बताया कि उन्हें नियमित रूप से दवाएं मिल रही हैं तथा चिकित्सकीय देखभाल संतोषजनक है। टीम ने जेल की पाकशाला का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता की जांच की। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं और किसी भी प्रकार की गंभीर समस्या सामने नहीं आई। जेल प्रशासन को निर्देश दिए कि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखा जाए तथा शासन के निर्देशों के अनुरूप बंदियों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. प्रभात कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव आदि अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्वाह्न 10 से 12 बजे तक सभी अधिकारी अपने कार्यालय कक्ष में बैठकर सुनें आमजन की समस्याएं -जिलाधिकारी

मीरजापुर 30 मई 2026– जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने जारी अपने एक आदेश के तहत कहा है कि शासन द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक कार्य दिवस में पूर्वान्ह 10:00 से 12:00 बजे तक अपने–अपने कार्यालय कक्ष में बैठकर आमजन की शिकायतों को सुनने एवं नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करनेध्कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है, किन्तु प्रायः यह देखा जा रहा है कि कतिपय अधिकारियों द्वारा उपर्युक्त शासनादेश की न केवल अवहेलना की जा रही है, बल्कि उक्त अवधि में कार्यालय छोड़कर अन्य कार्यों में व्यस्त रहते हैं, जबकि वह कार्य जनसुनवाई अवधि के उपरान्त भी किया जा सकता है। यह स्थिति कदापि संतोषजनक नहीं है। अतः एतद्वारा सर्वसंबंधित जनपदीय अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि वह शासनादेश के अनुपालन में पूर्वान्ह 10:00 से 12:00 बजे तक अपने–अपने कार्यालय कक्ष में स्वयं उपस्थित रहकर आमजन की शिकायतों को सुनें तथा नियत अवधि के अन्दर नियमानुसार गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित करेंध् करायें, जिससे शासन की मंशापूर्ण होने के साथ ही आमजन को यथोचित लाभ प्राप्त होना संभव हो सके।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भगवती प्रसाद चौधरी को उनके जन्मदिन पर किया सम्मानित

मिर्जापुर, 30 मई कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता, अनुसूचित जाति के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर एवं पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी का जन्मदिन शुक्रवार को सबरी निवास पर धूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम का आयोजन जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार सिंह पटेल के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान डॉ. पटेल ने भगवती प्रसाद चौधरी को अंगवस्त्र पहनाकर एवं प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

जिला पंचायत सदस्य शिव शंकर चौबे एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य व प्रवक्ता मिन्हाज अहमद छोटे खान ने भगवती प्रसाद चौधरी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में गुलाबचंद पांडे, आनंद त्रिपाठी, इश्तियाक अंसारी, रामनाथ दुबे, जिला पंचायत सदस्य कृष्ण गोपाल चौधरी, अंशु पांडे, रितेश मिश्रा, संकट मोचन पाण्डेय, राजेंद्र विश्वकर्मा, डॉक्टर दिनेश चौधरी, डिंपू यादव, कन्हैया लाल पाठक समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गिरफ्तारी नहीं, डीएम से मिले परिजन

जौनपुर । बक्शा थाना क्षेत्र में टावर से कूदकर जान देने वाले श्रीप्रकाश यादव के परिवार ने जिलाधिकारी डॉ. सैमुअल पाल से मुलाकात की। परिवार ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और 50 लाख रुपये के मुआवजे की मांग करते हुए सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह को एक पत्रक सौंपा है। यह घटना 22 मई को उतरीजपुर में जमीन के सीमांकन विवाद को लेकर हुई थी। श्रीप्रकाश यादव लगभग 7 घंटे तक टावर पर चढ़े रहे थे, जिसके बाद उन्होंने कूदकर अपनी जान दे दी थी। मृतक के भाई जयशंकर यादव ने आरोप लगाया है कि एफआईआर दर्ज होने के बावजूद मामले के आरोपी अभी तक गिरफ्तार नहीं हुए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी लगातार उनके परिवार को धमका रहे हैं और मुकदमे में सुलह करने का दबाव बना रहे हैं, जिससे परिवार भयभीत है। जयशंकर यादव ने यह भी जानकारी दी कि श्रीप्रकाश के निधन के बाद से उनका परिवार गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है और उन्हें सरकार की ओर से अभी तक कोई आर्थिक सहायता प्राप्त नहीं हुई है।परिवार ने मांग की है कि मृतक की पत्नी और बच्चों को कम से कम 50 लाख रुपये की सरकारी सहायता प्रदान की जाए।

आंधी तूफान से बचाव को लेकर एडवाइजरी जारी

जौनपुर। आँधी तूफान के दौरान सावधानियों हेतु क्या करें– टिन की छत, होर्डिंग, क्षतिग्रस्त मकान, पेड़, बिजली के खंभे एवं मोबाइल टावर से दूर रहें। घर के बाहर या छत पर रखी हुई भारी वस्तुएं उड़ सकती हैं, इसलिये उन्हें बांधकर रख दें। यात्रा कर रहे हैं तो सुरक्षित स्थान देखकर रुक जाएं। आँधी तूफान के दौरान सावधानियों हेतु क्या ना करें– धारदार एवं नुकीली वस्तुओं को खुले में ना रखें। धातु से बनी वस्तुओं का उपयोग न करें एवं पेड़ की शरण में ना जायें। आकाशीय विद्युत के परिप्रेक्ष्य में सावधानियों हेतु क्या करें– पक्के मकान की शरण में चले जाएं। खिड़की, दरवाजे एवं बरामदे से दूर रहें। पेड़, मोबाइल टावर, बिजली के खंभों, कच्चे मकान, तालाब, जलाशय से दूरी बना कर रखें। खराब मौसम में बच्चों को बाहर न खेलने दें, लोहे की खिड़की, दरवाजे व हैण्डपम्प आदि को न छुएं। यदि खुले खेत में फंस गये हैं तो दोनों कानों को बंद कर पैरों को सटा लें तथा घुटनों का टेक लेकर उकडू बैठ जाएं। वर्षा, आंधी तूफान, आकाशीय बिजली एवं बदलते मौसम का सटीक पूर्वानुमान देगा बहुउपयोगी सचेत एप एवं दामिनी एप जिससे कि प्रशासन, स्वयंसेवक तथा जागरुक लोगों द्वारा पूर्व चेतावनियों एवं अलर्ट को आम जनमानस तक समय से पहुचांकर आपदा से होने वाली क्षति को कम किया जा सकता है।

रीलमय सब जग जानी

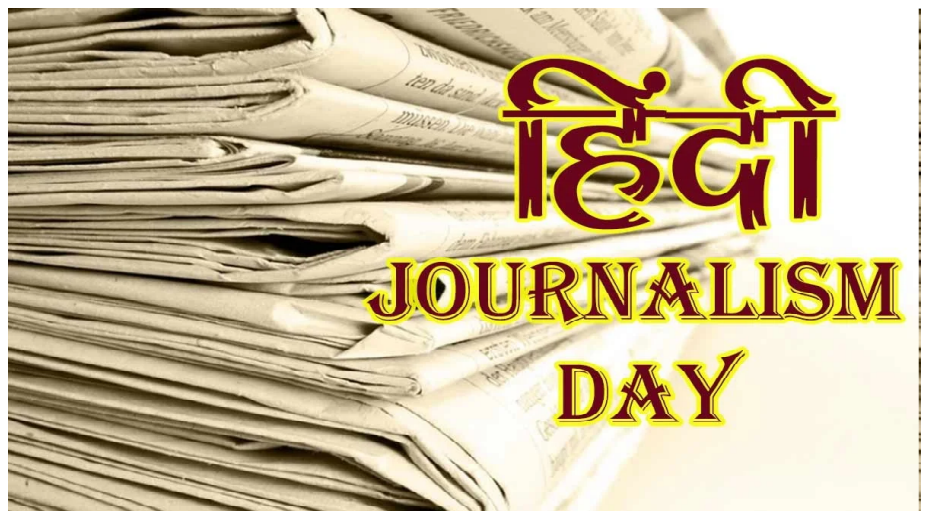

पत्रकारिता के जब भी नए माध्यम सामने आए, पुराने माध्यम के खात्मे की आशंका जताई जाती रही। हालांकि नए माध्यम के किंचित गुणों के साथ प्रतियोगिता और साम्यता बरतते हुए पुराने माध्यम ने जहां खुद को ज्यादा प्रतियोगी बनाया। हर नए माध्यम के अवतार और विकास के मूल में नई तकनीक रही है।तुलसी के लिए समूचा विश्व ही श्रीराम और सीता की तरह रहा। आज की पत्रकारिता पर जिधर भी नजर फिराएं, कुछ उसी तरह टीवी मय ही लगती है। लगता नहीं कि मीडिया की की दुनिया में अखबार भी हैं, पत्रिकाएं भी हैं, रेडियो भी है और सबसे अहम इंटरनेट भी है। दो सौ साल की हिंदी पत्रकारिता का इतिहास गरिमा के सोपानों से भरा हुआ है। नवजागरण को बढ़ावा देने, राष्ट्र निर्माण और सार्वजनिक जीवन मूल्यों की महती भूमिका निभाई है। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से उपजी हिंदी पत्रकारिता ने स्वाधीनता की लड़ाई भी लड़ी, हिंदी भाषा और साहित्य के उत्थान का माध्यम भी बनी, लेकिन दो सौ साल की यात्रा के उपरांत बाद के वर्षों के उसके इतिहास को देखते हैं तो वह सिर्फ टीवीमय नजर आती है, टीवी से भी आगे बढ़कर वह रीलमय नजर आती है। छापे से शुरू हिंदी पत्रकारिता का यह रूप छापे और रेडियो की उपस्थिति के बावजूद आज वह रील्स के इर्द–गिर्द घूमती नजर आ रही है। टेलीविजन तक तो स्थिति ठीक थी, लेकिन उसके बाद की जब तकनीक के सहारे टीवी की दुनिया में चुपके से रील्स ने दखल देनी शुरू की तो स्थितियां बदलने लगीं। हर नई तकनीक की अपनी कुछ खासियत होती है और इसके साथ ही वह अपना चरित्र भी जो चरित्र विकसित हुआ है, उसमें उथलापन ज्यादा है, गंभीरता कम है। इसे समझने के लिए छापा यानी प्रेस से मीडिया तक की यात्रा को गंभीरता से देखना और समझना होगा। रेडियो के आविष्कार और फिर टेलीविजन के विस्तार के पहले तक पत्रकारिता की बुनियाद में छापेखाने ही रहे। शुरूआती दौर में पत्रकारिता को प्रेस इसी वजह से कहा गया। जब तक उसकी पहचान के साथ प्रेस जुड़ा रहा, उसके प्रति विशिष्टताबोध बना रहा। टेलीविजन के विस्तार और बजरिए इंटरनेट माध्यमों की आवाजाही ने इस विशिष्टाबोध युक्त पहचान को मीडिया में रूपांतरित कर दिया है। इस यात्रा में मोटे तौर पर पत्रकारिता के दो रूप दिखते हैं। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से जन्मे छापे की पत्रकारिता कोख में मिले संस्कारों को अब तक कमोबेश अपनाए रखा है। बाद में आए रेडियो और टीवी में तकनीक भले ही प्रधान रहा,लेकिन उनके मूल में भी छापे की ही पत्रकारिता रही। इसके बावजूद तकनीक प्रधान और अत्याधुनिक माध्यम टीवी छापे की बुनियादी मूल्यों से काफी दूर दिखता है। उदंत मार्तंड के प्रकाशक और संपादक जुगल किशोर शुक्ल हों या बंगाल गजट निकालने वाले जेम्स ऑगस्टस हिक्की, उन्हें अखबार निकालने का गहरा युगबोध था। लेकिन उन्हें पता था कि वह जो कार्य करने जा रहे हैं, वह बेहद दुष्कर है। उनके सामने संसाधनों की ही चुनौतियां ही नहीं थी, पाठक जुटाना और अपने छापे की बात उन तक पहुंचाना भी आसान नहीं था। उन्हें आभास था कि उनकी खरी बातों को तत्कालीन विदेशी सत्ता स्वीकार नहीं करेगी। संसाधनों के अभाव और सरकारी सहयोग नहीं मिलने की वजह से ही उदंत मार्तंड असमय कालकवलित हो गया। उसे संसाधन या सरकारी सहयोग इसलिए नहीं मिले, क्योंकि उसका स्वर भारतोन्मुखी था, वह हिंदी समाज के हित के हेत निकल रहा था, उसे भारतीय मूल्यों की चिंता थी और भारतीय समाज के नवजागरण में वह भागीदार बनना चाहता था। यह कहानी उदंत मार्तंड तक ही सीमित नहीं रही। बाद के दिनों में भी हिंदी में तमाम समाचार पत्र निकले और बंद होते रहे। इस लिहाज से कह सकते हैं कि हिंदी पत्रकारिता का इतिहास नवजागरण का ही इतिहास नहीं है, अखबारों के निकलने और बंद बंद होने के सिलसिले का भी इतिहास है। लेकिन इस सिलसिले में भी समानता दिखती है, पत्रों का मूल उद्देश्य भारतीय मूल्यों, स्वाधीन सोच के लिए जागरण पैदा करना और राष्ट्र हित पर खुद को तिरोहित करना ज्यादातर पत्रों के प्रकाशन के मूल में दिखता है। कह सकते हैं कि हिंदी पत्रकारिता के जीन यानी गुणसूत्र में तिरोहित होने का ही भाव रहा है। यही वजह है कि हिंदी पत्र खतरा उठाते हुए भारतीयता की बात करना और सार्वजनिक हित का सवाल उठाना अपना पुनीत कर्तव्य मानते रहे। बेशक आज के समाचार पत्र भी सवालों के घेरे में हैं, लेकिन सवालों में आना सिर्फ अखबारी संस्थानों और उनके कर्ताधर्ताओं की सोच का ही मसला नहीं है, बल्कि उदारीकरण के बाद बढ़ी अर्थप्रधानता और पूंजी के खेल से उपजी मजबूरी भी है। फिर भी जब तुलनात्मक रूप से देखते हैं कि स्वाधीनता आंदोलन के साथ जिन मूल्यों को भारतीय समाज ने स्वीकार किया और आत्मसात किया है, उन्हें अब भी अखबारों ने ही आत्मसात कर रखा है। इनकी तुलना में टीवी की पत्रकारिता कहीं ज्यादा चंचल और चलायमान नजर आती है। पत्रकारिता के जब भी नए माध्यम सामने आए, पुराने माध्यम के खात्मे की आशंका जताई जाती रही। हालांकि नए माध्यम के किंचित गुणों के साथ प्रतियोगिता और साम्यता बरतते हुए पुराने माध्यम ने जहां खुद को ज्यादा प्रतियोगी बनाया। हर नए माध्यम के अवतार और विकास के मूल में नई तकनीक रही है। तकनीक की एक विशेषता है, हर नई तकनीक हमेशा पुरानी के मुकाबले ज्यादा प्रभावी होती है। इस लिहाज से छापे के बाद आए रेडियो ने लोगों को ज्यादा लुभाया। लेकिन रेडियो के साथ प्रतियोगिता में छापे ने हार नहीं मानी और उसके बरक्स खुद को भी पहले तुलना में ज्यादा गतिमान बनाया, अपने कंटेंट और प्रस्तुति में विविधता और नवीनता की खोज की। इसके बाद अखबारों का प्रसार बढ़ा, रेडियो को तो वैसे ही अपनी नई तकनीक के चलते आगे बढ़ना ही था। जब टेलीविजन ने मीडिया की दुनिया में अगले चरण के रूप में कदम रखा, दोनों पुराने माध्यमों के खात्मे की आशंका जताई जाने लगी। हालांकि कोई खत्म नहीं हुआ, रेडियो ने खुद के लिए नई तकनीक यानी फ्रीक्वैंसी मॉड्युला यानी एफएम की ईजाद कर ली और अपने लिए जीवन की नई राह खोज ली तो अखबारों ने अपने पन्ने टेलीविजन के पर्दे की तरह चमकादार और दृश्यवान बनाने लगे। अखबारों पर विजुअल का प्रभाव फोटो और चित्रों के विस्तार के रूप में दिखा। इसके असर से अखबार अब भी बचे हुए हैं, रेडियो भी जिंदा है और टेलीविजन भी विस्तृत हो चुका है। लेकिन जिसे हम टेलीविजन कहते हैं, जिसमें एक पर्दा होता है, उसे चुनौती रील्स और ऐसे ही शॉर्ट वीडियो माध्यमों से मिल रही है। टेलीविजन को पहले इंटरनेट से चुनौती मिली, लेकिन बाद के दिनों इंटरनेट ने खुद में मीडिया के हर फॉर्मेट को समाहित कर लिया। इसी बीच रील्स और टिकटैक जैसे शॉर्ट फॉर्मेट आ गए और टेलीविजन को भी चुनौती मिलने लगी। मीडिया के शुरूआती दोनों माध्यम जहां मूल्यों और संघर्ष की कशमकश वाले दौर में पैदा हुए, पले और बढ़े, इसलिए उनके चरित्र पर मूल्यों और संघर्ष का असर दिखता है। लेकिन टेलीविजन का वैश्विक प्रसार आर्थिक उदारीकरण के दौर में हुआ है। इसलिए उसने उदारीकरण की विशेषताओं को भी आत्मसात कर लिया है। उदारीकरण की पहली शर्त चमक–दमक और शोशेबाजी है। भारतीय परिदृश्य में जब टेलीविजन माध्यम विकसित हो रहा था, तब हिंदी के गंभीर पत्रकारों ने इससे दूरी बनाए रखी। उन्होंने तब इसे दोयम दर्जे का माध्यम माना और उसकी उपेक्षा की। उन्हें ऐसा लगा कि यह गंभीर पत्रकारिता का माध्यम नहीं हो सकता।

विज्ञान में निर्वात का सिद्धांत है। यानी कोई भी जगह निर्वात नहीं रह सकती, उसकी जगह भरने के लिए नई हवा आ ही जाती है। यह सिद्धांत हर जगह लागू होता है। टीवी की दुनिया से गंभीर लोगों ने दूरी बनाई तो उनकी जगह भरने के लिए वे सारे लोग आ गए, जिन्हें मुख्यधारा की पत्रकारिता स्वीकार नहीं कर रही थी। इसका असर यह हुआ कि उन्होंने गंभीरता की बजाय दृश्यों के लिए माकूल नाटकीयता को अपनाया, उन्होंने पत्रकारिता के बुनियादी मूल्यों की बजाय पारसी नौटंकी शैली की संवाद अदायगी और नाटकीयता पर जोर दिया। आज यह नाटकीयता ही भारतीय टेलीविजन की मुख्यधारा है। हालांकि जिन देशों में टीवी भारत की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित हुआ, जहां उसका आविष्कार हुआ, वहां टेलीविजन की पत्रकारिता पर छापे की पत्रकारिता जैसी गंभीरता दिखती है, वहां के खबरिया टीवी के पर्दे नाटकीयता से युक्त नहीं हैं। भारतीय परिदृश्य में एक और तथ्य को भी याद रखा जाना चाहिए। टीवी में बड़ी पूंजी लगती है, इसलिए इस पूंजी की वापसी की गारंटी भी चाहिए होती है, नाटकीयता इस वापसी की गारंटी देती प्रतीत होती है। इसलिए यह नाटकीयता बढ़ी हुई है। इस विकास के मूल में आर्थिक उदारीकरण के साथ आए जीवन मूल्य भी हैं। आर्थिक फायदे के चलते इस माध्यम ने सनसनी को भी हथियार बना लिया है। चूंकि यह दृश्य प्रधान माध्यम है, इसलिए यहां गंभीरता और गुणों पर नहीं, खूबसूरत और प्रभावी दृश्यों पर जोर है। रील्स ने इसे और बढ़ावा ही दिया है। जहां लटके–झटके भी हैं और हल्की सोच भी।

विजुअल छापे की तुलना में हमेशा ज्यादा प्रभावी होते हैं, अगर वे चलायमान हैं तो उनकी प्रभावोत्पादकता की गति भी बढ़ जाती है। इन गुणों के चलते इस माध्यम का प्रभाव ज्यादा है, उसमें त्वरा है, इसलिए सिनेमा से लेकर खेल और राजनीति तक की दुनिया इसकी ओर खिंची जा रही है। जब तक भारतीय राजनीति पर स्वाधीनता आंदोलन की कोख से निकली सियासी ताकतों का दबदबा था, उथलापन उसे अस्वीकार्य था। तब दिखावे के लिए ही सही, राजनीति को गंभीर, विचारवान और संजीदा कारक पसंद थे। राजनीति के लिए शोशेबाजी और नाटकीयता त्याज्य विषय थे। लेकिन उदारीकरण के बाद राजनीति ने भी नए मूल्यों को ग्रहण कर लिया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने जियो प्लेटफर्म्स के आईपीओ की तैयारी

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ की तैयारी के बीच हितधारकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार करने की बात कही है। 2026 की पहली छमाही में आने वाले इस आईपीओ से पहले कंपनी संस्थागत ढांचे को मजबूत करने और वैश्विक प्रौद्योगिकी अगुवा बनने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा है कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए घोषित समयसीमा नजदीक आने के साथ जियो प्लेटफॉर्म्स में व्यापक हितधारक भागीदारी के लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। आरआईएल की वार्षिक आम बैठक 2025 में अंबानी ने कहा था कि जियो का आईपीओ 2026 की पहली छमाही में लाया जाएगा।अंबानी ने आरआईएल की बृहस्पतिवार को जारी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स के संस्थागत ढांचे को मजबूत करने, पारदर्शिता बढ़ाने और इसे वैश्विक प्रौद्योगिकी अगुवा बनाने की दिशा में कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, "हम ऐसे रणनीतिक विकल्पों का मूल्यांकन जारी रखेंगे, जिनसे हितधारकों की भागीदारी बढ़ सके और जियो की दीर्घकालिक वृद्धि को समर्थन मिले। इसके साथ ही टिकाऊ मूल्य सृजन का सिद्धांत भी कायम रहे।"आरआईएल के पास जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड (जेपीएल) में 66.43 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसमें वैश्विक कंपनियों मेटा एवं गूगल की भी हिस्सेदारी है। विश्लेषकों का अनुमान है कि जियो प्लेटफॉर्म्स का आईपीओ अब तक का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम हो सकता है।इसका मूल्यांकन 130 अरब डॉलर से 180 अरब डॉलर के बीच रहने का अनुमान है।

सम्पादकीय

अपेक्षा के अनुरूप

सुप्रीम कोर्ट का फैसला उचित होने के बावजूद उससे बुल्डोजरी अंदाज में कराए गए एसआईआर पर उठे सवालों का जवाब नहीं मिला है। ना ही इससे निर्वाचन आयोग की मंशा पर जताए गए शक दूर होंगे। मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण संवैधानिक रूप से उचित है, इसको लेकर कभी किसी को शक नहीं था। निर्वाचन आयोग को यह प्रक्रिया संपन्न कराने का अधिकार है, इस पर भी कोई भ्रम कभी नहीं रहा। अब सुप्रीम कोर्ट ने यही व्यवस्था दी है, तो वह अपेक्षा के अनुरूप ही है। विवाद इसे कराने के लिए चुने गए वक्त पर था। बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एसआईआर कराने का एलान निर्वाचन आयोग ने किया, तो उचित सवाल उठा कि आखिर इसकी जल्दबाजी क्यों है? क्यों नहीं यह काम तसल्ली से और सभी संबंधित पक्षों को भरोसे में लेते हुए कराया जा सकता है?

जल्दबाजी के कारण मची अफरातफरी से बड़ी संख्या में मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने की आशंका पैदा हुई। कम–से–कम पश्चिम बंगाल में ऐसा असल में हुआ, यह कहने का ठोस आधार है। इन पहलुओं को ध्यान में रखें, तो कहा जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला उचित होने के बावजूद उससे बुल्डोजरी अंदाज में कराए गए एसआईआर पर उठे सवालों का जवाब नहीं मिला है। ना ही इससे निर्वाचन आयोग की मंशा पर जताए गए शक दूर होंगे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने जब राज्यों में चुनाव से ठीक पहले स्ट्रीमरोलर के अंदाज में कराए जा रहे एसआईआर पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, तो उसके साथ ही घटनोपरांत सुधार की गुंजाइश खत्म हो गई थी। बहरहाल, अब आए निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि निर्वाचन आयोग को एसआईआर के दौरान नागरिकता की जांच करने का अधिकार है। मगर तीन जजों की बेंच ने यह भी कहा कि मतदाता सूची में नाम शामिल ना करने का मतलब व्यक्तियों को उनकी नागरिकता से वंचित करना नहीं है। जिनके नाम हटाए गए, वे बाद में अपने दावे के साथ निर्णय प्रक्रिया में जा सकते हैं। मगर यह व्यवस्था समस्याग्रस्त है। सवाल है कि क्या वोट काट कर किसी वैध नागरिक को मतदान से वंचित रखने जवाबदेही तय की जाएगी और क्या इसकी कोई सजा होगी? ऐसा नहीं होने का मतलब क्या नागरिक के साथ अन्याय और लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ करना नहीं होगा?

बुद्ध के मुख्य शिष्यों की पवित्र विरासत

बुद्ध के दो मुख्य शिष्यों – अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान – के पवित्र अवशेष 1 से 10 जून तक उलानबटोर के गंदन मठ में प्रदर्शनी के लिए भारतीय वायुसेना (ढ्ढस्न) के एक विशेष विमान से मंगोलिया ले जाए जाएंगे ।

दो सहस्राब्दियों से अधिक समय से, बौद्ध जगत में अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के नाम अत्यधिक श्रद्धा के केंद्र रहे हैं । गौतम बुद्ध के दो मुख्य शिष्यों के रूप में, वे न केवल बुद्ध के सबसे करीबी आध्यात्मिक साथी थे, बल्कि उनके ज्ञानोदय के बाद धम्म के प्रमुख रक्षक और प्रसारक भी थे ।

बौद्ध परंपरा के अनुसार, सारिपुत्त और महामोग्गल्लान का जन्म वर्तमान नालंदा के पास, मगध क्षेत्र के पड़ोसी गांवों में एक ही दिन हुआ था । सारिपुत्त का जन्म उपतिस्स गांव में हुआ था, जबकि महामोग्गल्लान का जन्म कोलित गांव में हुआ था । बचपन की दोस्ती के बंधन में बंधे इन दोनों जिज्ञासुओं ने अंततरू परम सत्य की खोज में एक साथ सांसारिक जीवन का त्याग कर दिया । उनकी आध्यात्मिक यात्रा बुद्ध के सानिध्य में पूरी हुई, जहाँ वे जल्द ही प्रारंभिक संघ के दो सबसे प्रतिष्ठित सदस्यों के रूप में उभरे ।सारिपुत्त को ज्ञान और सैद्धांतिक विश्लेषण के सर्वोच्च गुरु के रूप में जाना जाता था । बौद्ध ग्रंथ उन्हें ष्असाधारण बौद्धिक स्पष्टताष और ष्करुणा एवं सटीकता के साथ शिक्षाओं को समझाने की अद्वितीय क्षमताष से संपन्न बताते हैं । उन्होंने भिक्षुओं के अनुशासन की देखरेख की, ध्यान साधना का मार्गदर्शन किया और स्वतंत्र रूप से भिक्षुओं को दीक्षित करने वाले पहले अधिकृत शिष्य बने । बुद्ध के सीधे निर्देश के बाद, बुद्ध के पुत्र राहुल को सारिपुत्त द्वारा एक नवदीक्षित भिक्षु (सामनेर) के रूप में दीक्षित किया गया था । उनके नेतृत्व और धम्म पर असाधारण पकड़ के कारण, बुद्ध ने उन्हें ध्धम्म का सेनापतिष (धम्मसेनापति) की उपाधि दी थी ।थेरवाद बौद्ध परंपरा के अनुसार, ज्ञान प्राप्त करने के बाद बुद्ध ने तावतिंस स्वर्ग में अपनी माता (जिनका वहां पुनर्जन्म हुआ था) सहित देवताओं को अभिधम्म की शिक्षा दी थी । इस अवधि के दौरान, बुद्ध हर दिन कुछ समय के लिए मानव लोक में लौटते थे, जहाँ वे सारिपुत्त को उन शिक्षाओं का सारांश सुनाते थे, और फिर सारिपुत्त उन शिक्षाओं को व्यवस्थित रूप से जन–जन तक पहुँचाते थे । इसके विपरीत, महामोग्गल्लान को ध्यान और आध्यात्मिक उपलब्धियों के अग्रणी गुरु के रूप में सम्मान प्राप्त था ।

मैं दिल्ली, हर चीज से पहले यहाँ थी!

श्रुति व्यास

मुझे हमेशा मेरे लोगों ने बनाया। वे लोग जो बाहर से आए, जिन्होंने मुझे अपनाया और ऐसा करके मुझे बनाया। मैं हमेशा दिल वालों की दिल्ली रही हूँ। जन्म से नहीं, चुनाव से। ठहरने से। किसी कठिन चीज से प्रेम करने और उसे घर कहने से।ज्पर अब मुझे इतनी गहराई तक खोद दिया गया है कि मैं अपने भीतर का रिसाव सुन सकती हूँ। वे पेड़ गिरते सुनती हूँ जो दशकों से मेरे साथ खड़े थे।मेरी नसों पर मेट्रो के फैल जाने से पहले। उन फ्लाईओवरों के एक दूसरे पर चढ़ते जाने से पहले, जब आसमान तक इंजीनियर किया हुआ लगने लगा था। उन मॉलों के आने से पहले, जिनमें इत्र और ठंडी हवा की गंध भरी रहती है, और जहाँ कभी पुराने सिनेमा हुआ करते थे। फीके पड़ते पोस्टर, चिपचिपी फर्श और देर रात तक चलती फिल्में। उन कैफे के आने से पहले, जिनके अंग्रेजी नाम हैं और जिन्होंने उन रेस्तराँ की जगह ले ली जहाँ वेटर पिता तक को पहचानते थे। उस समय से पहले, जब यह शहर खुद से ही अधीर होने लगा था। उस सबसे पहले, मैं यहाँ थी।ब्रिटिशों के मेरे सीने पर अपनी सीधी, औपचारिक सड़कें खींचकर उसे नई दिल्ली कहने से पहले, मानो शहर की कल्पना सबसे पहले उन्हीं ने की हो। मुगलों के मुझे एक साथ भव्य और उदास बना देने से पहले। तुगलकों के मुझे बार बार बसाने और छोड़ने से पहले, उस बेचैनी के साथ जिसमें उन्हें खुद भी यकीन नहीं था कि मैं रहने लायक हूँ या नहीं। मैंने उन सबको आते देखा है। जाते भी। साम्राज्य हमेशा खुद को स्थायी मानकर आते हैं। शहर उनसे ज्यादा जानते हैं।1947 में मैं एक तूफान से गुजरी थी। विभाजन मेरे भीतर घाव की तरह उतरा था। लाखों शरणार्थी आए। शहर की पहचान लगभग एक रात में बदल गई। फिर भी अजीब बात है, वे मेरे सबसे मुलायम साल थे। देश नया भी था, थका हुआ भी, और उम्मीद से भरा भी। मैं भी वैसी ही थी।चाँदनी चौक में तब भी ताँगे चलते थे। लोग राजपथ पर साइकिल चलाते थे। जनपथ का कॉफी हाउस तब तक खुला रहता था, जब तक कवियों और पत्रकारों के पास सिगरेट और बहस, दोनों खत्म नहीं हो जाते थे। हवा तब बस हवा थी। पानी बिना घबराहट के आता था। हर मौसम थकाता था, लेकिन सजा जैसा नहीं लगता था। शामें धीमी उतरती थीं। पेड़ों की छाया लंबी होती थी और सरकारी दफ्तरों से लौटते लोग बिना जल्दी के बस स्टॉपों पर खड़े दिखाई देते थे। पुरानी दिल्ली की गलियों में रात देर तक बर्तनों की आवाजें आती रहती थीं। नई दिल्ली अब भी अपने चौड़े रास्तों में आधी खाली लगती थी। शहर तब इतना तेज नहीं भागता था। उसे अभी खुद को साबित करने की उतनी बेचैनी नहीं हुई थी।मुझे वह भी याद है। सर्दियों की धूप में गोल मार्केट के लॉन पर दौड़ते छोटे कदम। बाबा खड़क सिंह मार्ग पर स्कूल बस पकड़ने के लिए भागती हुई वह लड़की। अपने पिता का इंतजार करती हुई, जो उसे तालकटोरा में तैरने ले जाते थे। हरियाली से भरा मेरा पुराना मुगल कटोरा, रिज की धरती में आसमान की ओर खुला हुआ। उसका स्कूल अदालत, स्टेडियम और प्रगति मैदान के पास था। वहीं हर साल पुस्तक मेला लगता था और राज रेवाल की कंक्रीट जाली पूरे परिसर के ऊपर उठती दिखाई देती थी। ज्यामिति, महत्वाकांक्षा और खुद पर भरोसा करती एक पूरी पीढ़ी का आकार। उसे तब यह नहीं पता था कि वह क्या महसूस कर रही है। वह बस ऊपर देखा करती थी।वह बड़ी हुई और मैं उसके साथ बदलती गई। हर रविवार शाम अपने भाई के साथ रेल भवन के बाहर खड़े पुराने भाप इंजन को चलाने का नाटक करती हुई। 1925 का वह दार्जिलिंग इंजन, छोटा, गरिमामय, जिसे दशकों तक वहीं रखा गया, जब तक किसी ने यह तय नहीं कर लिया कि उसकी जगह वंदे भारत की प्रतिकृति ज्यादा उपयुक्त लगेगी। संसद सत्रों के दौरान गाड़ी का संसद मार्ग की ओर मुड़ना, और पीछे बैठी वह लड़की उस गोल, ठहरी हुई इमारत को देखती रहती, जो सड़क के इतना करीब लगती थी मानो हाथ बढ़ाकर छू सकती हो। तब भी लोगों पर विश्वास करती हुई, जिनके लिए वह बनाई गई थी।

सर्दियों की धुंध। फुटपाथों पर जामुन के दाग। खुली खिड़कियों से भीतर आती बरसाती हवा। मई में पूरी सड़कों को लाल कर देने वाले गुलमोहर। ऊपर से झरते अमलतास। वह दिल्ली, जिसने खुद को लगातार साबित करना अभी शुरू नहीं किया था। वह बड़ी होती गई और मुझे अपने भीतर कहीं जमा करती गई। लेकिन आज मैं वैसी नहीं रही, जैसी मैंने खुद को उसे दिखाया था।इस साल की गर्मी चार महीने तक बिना किसी माफी के मेरे सीने पर बैठी रही। मेरे पेड़, जो हाल की कटाइयों से बच पाए, पूरी गर्मी चुप खड़े रहे। उन्होंने सुंदर दिखने की कोशिश तक छोड़ दी थी। वे बस जीवित रहने की कोशिश कर रहे थे। चाणक्यपुरी से होकर गुजरो, तब समझोगे कि मैं कैसी थी। चौड़ी हरी सड़कें। ऊपर झुकते विशाल पेड़, जैसे कोई भरोसा सिर पर फैला हो। दिल्ली को ऐसे बनाया गया था कि वह साँस ले सके। ऐसी जगहों के साथ, जो अपनी अहमियत जानती थीं। अब मैं राष्ट्रपति भवन के पीछे नई इमारतों को उठते देखती हूँ। ऊँची, रंगहीन और खुद पर बेहद यकीन से भरी हुई। लेकिन वे भरोसा नहीं बढ़ातीं। वे केवल उसे बीच में तोड़ देती हैं। मध्य दिल्ली, जिसे बाकी दुनिया लुटियंस दिल्ली कहती है, में कभी एक गरिमा थी। विरासत में मिली हुई, जटिल, राजनीति से खाली नहीं, फिर भी गरिमा। ऐसी गरिमा जो दशकों में बनती है, जिसे समारोह निभाने के लिए शोर की जरूरत नहीं पड़ती। राजस्थान से पत्थर काटकर उन्हें जमा देने भर से आत्मविश्वास नहीं आता। सड़कों के नाम बदल देने, इमारतों को नए नाम दे देने, कर्तव्य पथ और सेवा सदन कह देने भर से किसी शहर का स्वभाव नहीं बनता। स्वभाव धीरे धीरे बनता है। उसमें पीढ़ियाँ लगती हैं। जो आज बनाया जा रहा है, उसे माफ करने में भी शायद पीढ़ियाँ लगेंगी।और फिर राजपथ है।

उसका। उनका। मेरा।अब वह गर्म पत्थरों और डामर की लंबी पट्टी में बदल चुका है। छोटी छोटी रोशन पोखरें, जिनकी चमक मुझ पर जँचती नहीं। पीली बैरिकेडें उन सड़कों के किनारे खड़ी हैं जो कभी खुली थीं, उदार थीं, लोगों

आज का राशिफल

मेष राशि–
मेष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

वृष राशि–
वृष राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

मिथुन राशि–
मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है।

कर्क राशि–
कर्क राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज पैसों के लेन देन में सावधानी बरतें।

सिंह राशि–
सिंह राशि वालों आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या राशि–
कन्या राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा।

तुला राशि–
तुला राशि वालों आज का दिन मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगे।

वृश्चिक राशि–
वृश्चिक राशि वालों आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज आप अपने घरेलू कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे।

धनु राशि–
धनु राशि वालों आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा।

मकर राशि–
मकर राशि वालों आज आपका दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है।

कुंभ राशि–
कुंभ राशि वालों आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिये अपनी बेहतरीन राय देंगे।

मीन राशि–
मीन राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 31 मई 2026
sheelshukla100@gmail.com

अग्निवीर जवानो का सातवां बैच देश की सेवा को तैयार, परेड में दी सलामी

-डोगरा रेजिमेंटल सेंटर में हुई भव्य पासिंग आउट परेड, 835 अग्निवीर भारतीय सेना में शामिल

अयोध्या(आरएनएस)। भारतीय सेना के गौरवशाली एवं वीरता से परिपूर्ण डोगरा रेजिमेंट के इतिहास में आज एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया, जब अग्निवीर योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित सातवे बैच के 835 अग्निवीर जवानों ने कठिन एवं कठोर सैन्य प्रशिक्षण सफलता पूर्वक पूर्ण कर भव्य पासिंग आउट परेड के माध्यम से भारतीय सेना में कदम रखा । अयोध्या स्थित डोगरा रेजिमेंटल सेंटर के जमीदार लाला परेड ग्राउंड में आयोजित इस गरिमामयी समारोह में अग्निवीर जवानों ने अनुशासन, साहस, समर्पण एवं सैन्य उत्कृष्टता का अदभुत प्रदर्शन करते हुए अंतिम पग पार किया । परेड की समीक्षा ब्रिगेडियर जितेन्द्र शर्मा, कमांडेंट डोगरा रेजिमेंटल सेंटर एवं स्काउट्स द्वारा की गयी । पिछले 24 सप्ताहों के दौरान इन अग्निवीर जवानों को आधुनिक सैन्य प्रशिक्षण, शारीरिक दक्षता, युद्ध कौशल एवं भारतीय सेना के उच्चतम मूल्यों के अनुरूप प्रशिक्षित किया गया । प्रशिक्षण का उदेश्य उन्हें केवल एक सैनिक बनाना नहीं, बल्कि राष्ट्र प्रथम की भावना से ओत प्रोत, दृढ़ चरित्रवान एवं हर चुनौती का सामना करने वाले योद्धा के रूप में तैयार करना रहा । समारोह के दौरान मुख्य अतिथि ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अग्निवीरों को सम्मानित किया तथा सभी नवप्रशिक्षित सैनिकों को राष्ट्रसेवा के प्रति निष्ठा, कर्त्तव्यपरायणता एवं सेना की गौरवशाली परम्पराओं को सदैव बनाये रखने का सन्देश दिया ।प्रशिक्षण अवधि में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अग्निवीर तरूण राणा को गोल्ड मेडल प्रदान किया गया । परेड का नेतृत्व अग्निवीर नवदीप सिंह ने किया, जिनके नेतृत्व में जवानों ने पूरा उत्साह, आत्मविश्वास एवं सैनिक गर्व के साथ शानदार मार्च पास्ट प्रस्तुत किया । इस अवसर पर अन्य सैन्य अधिकारी गण, सरदार साहेबान, जवान और उनके परिजन उपस्थित रहे । समारोह के दौरान परेड ग्राउंड देशभक्ति, सैन्य गौरव एवं उत्साह के भाव से ओत – प्रोत दिखाई दिया । यह पासिंग आउट परेड केवल प्रशिक्षण की पूर्णता नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा, कर्त्तव्य एवं बलिदान के पथ पर एक नए सैनिक जीवन की गौरवपूर्ण शुरूआत का प्रतीक रही।डोगरा रेजिमेंटल सेंटर, अयोध्या में शनिवार को आयोजित भव्य पासिंग आउट परेड के दौरान 835 अग्निवीर सफलतापूर्वक भारतीय सेना के गौरवशाली अंग बन गए। परेड ग्राउंड में अग्निवीर नवदीप सिंह के नेतृत्व में 835 अग्निवीरों ने पवित्र अंतिम पग पार करते हुए उत्साह, अनुशासन एवं सैनिक गर्व के साथ शानदार मार्च पास्ट किया । परेड की समीक्षा मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर जितेन्द्र शर्मा, कमांडेंट डोगरा रेजिमेंटल सेंटर एवं स्काउट्स द्वारा की गयी । इस अवसर पर अनेक सैन्य अधिकारीगण, सरदार साहेबान, जवान और उनके परिवारजन मौजूद रहे। समारोह के दौरान परेड ग्राउंड देशभक्ति, जोश एवं सैन्य परम्पराओं की गौरवपूर्ण भावना से ओत–प्रोत दिखाई दिया । इन अग्निवीरों ने 24 सप्ताहो के दौरान कठोर प्रशिक्षण एवं चुनौतीपूर्ण सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिसमे आधुनिक सैन्य प्रशिक्षण, शारीरिक दक्षता, युद्ध कौशल एवं भारतीय सेना के उच्चतम मूल्यों के अनुरूप प्रशिक्षित किया गया । उन्होंने एक साथ कदमताल करते हुए सैन्य प्रशिक्षण की उच्च गुणवता को दर्शाया। प्रशिक्षण अवधी के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए अग्निवीर तरुण राणा को गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया । सभी नवप्रशिक्षित सैनिकों ने गर्व एवं पूर्ण समर्पण के साथ राष्ट्रसेवा तथा भारतीय सेना के गौरवशाली मूल्यों को बनाये रखने की शपथ ली । डोगरा रेजिमेंटल सेंटर के लिए यह अवसर विशेष गौरव का क्षण रहा, क्योंकि अग्निवीर योजना के अंतर्गत सातवा वैच भारतीय सेना में शामिल हुआ ।

डिजिटल होते युग के बावजूद पेपर लेस कार्य संभव नही अरविंद सिंह

अयोध्या। हिंदी पत्रकारिता के 200 गौरवशाली वर्ष के अवसर पर शहर के सिविल लाइंस स्थित एक होटल के सभागार में वरिष्ठ पत्रकार विवेकानन्द पाण्डेय की उठान के दिन पुस्तक का विमोचन समारोहपूर्वक आयोजित हुआ। इस दौरान पत्रकारिता परिचर्चा और संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सोशल एक्शन फॉर प्रोग्रेसिव नेशन फाउंडेशन (सपना फाउंडेशन) की ओर से आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार व लेखक अरविंद कुमार सिंह ने कहा की संदर्भ, इतिहास और संस्मरणों को संजोने का सशक्त माध्यम पुस्तक होती है। किसी संस्मरणों को जब संजोया जाता है तब वह जीवंत हो उठते हैं। पत्रकारिता समाज के साथ इतिहास को गढ़ने का कार्य करती है। उन्होंने अपने कई संस्मरणों को साझा करते हुए विमोचित पुस्तक उठान के दिन को भविष्य के लिए मिल का पत्थर बताया। कहा कि डिजिटल होते युग में लेस पेपर तो संभव है, पर पेपर लेस कार्य संभव नहीं हैं। जिस दिन लेखन और पठन–पाठन बंद होगा समाज में अस्थिरता पैदा हो जाएगी। अध्यक्षता कर रहीं राजा मोहन गर्ल्स पीजी कॉलेज (मनूचा) की प्राचार्या डॉ. मंजूषा मिश्रा ने कहा कि आज के दौर में हम पुस्तकों से दूर हो रहे हैं। जो भावी पीढ़ी के लिए बड़ी समय होगा। पुस्तकों का लेखन साहित्य के प्रति प्रेम को सहज ही प्रकट करता है। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार त्रियुग नारायण तिवारी ने पुस्तक और पत्रकारिता के कई आयामों की विस्तार से चर्चा की। आकाशवाणी अयोध्या केंद्र के सहायक निदेशक (अभियांत्रिकी) अनिल सिंह, कार्यक्रम प्रमुख संजय धर द्विवेदी, उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के प्रदेश अध्यक्ष मणि शंकर तिवारी और एसएसवी इंटर कॉलेज के अवकाश प्राप्त प्रधानाचार्य शिक्षाविद डॉ. वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने भी समारोह को संबोधित किया। इसके पहले आपस प्रकाशन के संपादक– प्रकाशक डॉ. विंध्यमणि ने उठान के दिन पुस्तक की विस्तार से चर्चा की। राज्य पुरस्कार से सम्मानित अध्यापक अनूप मल्होत्रा ने स्वागत और सपना फाउंडेशन अध्यक्ष डॉ.स्वदेश मल्होत्रा ने धन्यवाद व्यक्त किया। समारोह का संचालन उठान के दिन पुस्तक के लेखक वरिष्ठ पत्रकार विवेकानंद पाण्डेय विवेक ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। अतिथियों को अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। समारोह में प्रमुख रूप से वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. उपेंद्र मणि त्रिपाठी, एडवोकेट शीतला पांडेय, पुलिस उपमहानिरीक्षक कार्यालय में कार्यरत खाकी वाले गुरु उप निरीक्षक रणजीत यादव, नंद किशोर उपाध्याय, रमाकांत पाण्डेय, शीला पाण्डेय, व्यवसायी विवेक जैन, रविंद्र कुमार पाण्डेय, भास्कर पाण्डेय, अभिज्ञान यादव, सोनी पाण्डेय, प्रज्ञा, श्रद्धा, श्रेया, प्रिया, शशांक मिश्रा, शिवम मिश्रा, सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में पर्यटन उद्योग की भूमिका पर हुआ विशेषज्ञ व्याख्यान

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग के अंतर्गत संचालित एमबीए पर्यटन विभाग में शनिवार को "आत्मनिर्भर भारत बनाने में पर्यटन उद्योग की भूमिका" विषय पर एक विशेष विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अमित कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष पर्यटन विभाग केंद्रीय विश्वविद्यालय सिक्किम रहे। व्याख्यान में डॉ. अमित कुमार सिंह ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक धरोहर, धार्मिक पर्यटन, प्राकृतिक सौंदर्य एवं स्थानीय कला–संस्कृति पर्यटन उद्योग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने बताया कि पर्यटन उद्योग न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अनेक अवसर भी सृजित करता है। होटल प्रबंधन, ट्रैवल एजेंसी, एयरलाइन, इवेंट मैनेजमेंट, टूर ऑपरेशन, गाइडिंग, एडवेंचर टूरिज्म, डिजिटल ट्रैवल प्लेटफॉर्म तथा उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में पर्यटन विद्यार्थियों के लिए अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रशिक्षित पर्यटन पेशेवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिससे यह क्षेत्र युवाओं के लिए एक उत्कृष्ट करियर विकल्प बनकर उभर रहा है। विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने कहा कि पर्यटन उद्योग उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि एमबीए पर्यटन आज के समय का अत्यंत संभावनाशील व्यावसायिक पाठ्यक्रम है, जो युवाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करियर बनाने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. महेंद्र पाल सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का एमबीए पर्यटन विद्यार्थियों को उद्योग आधारित ज्ञान, व्यवहारिक प्रशिक्षण तथा रोजगारपरक कौशल प्रदान कर रहा है। पर्यटन क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए यह पाठ्यक्रम युवाओं को बेहतर रोजगार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत आधार प्रदान करता है।कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा पर्यटन उद्योग में करियर एवं रोजगार से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञ से संवाद भी किया। यह व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा। प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने कोर्स पूरा कर रहे छात्र छात्राओं को आगामी भविष्य के लिये शुभकामनाएं दी।

हाईकोर्ट ने बहाल की कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति

मिल्कीपुर अयोध्या।(आरएनएस) लखनऊ पीठ ने आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या के कुलपति पद पर नियुक्त डॉ ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह की नियुक्ति रद्द करने संबंधी कुलाधिपति के आदेश को निरस्त कर दिया है। न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की खंडपीठ ने कुलाधिपति की ओर से जारी 25 फरवरी और 3 मार्च 2026 के आदेशों को मनमाना एवं अवैध करार देते हुए रद्द करते याची द्वारा आदेश की प्रति कुलाधिपति के समक्ष प्रस्तुत किए जाने के 10 दिन के अंदर कार्यभार ग्रहण कराए जाने के भी आदेश दे दिए हैं।

बताते चलें कि डॉ ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कृषि वैज्ञानिक हैं और उन्हें वर्ष 2025 में राष्ट्रपति द्वारा 'विज्ञान श्री' सम्मान से सम्मानित किया गया था। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति पद के लिए आवेदन किया था और चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद बीते 10 फरवरी 2026 को उनकी नियुक्ति कर दी गई थी। हालांकि, वे तत्काल कार्यभार ग्रहण नहीं कर सके थे, क्योंकि उन्हें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) में अपने पद से औपचारिक रूप से कार्यमुक्त होना था। याचिकाकर्ता ने 19 और 26 फरवरी को राज्य सरकार व कुलाधिपति कार्यालय को पत्र लिखकर कार्यभार ग्रहण करने के लिए 31 मार्च 2026 तक का समय मांगा था। इसके बावजूद कुलाधिपति ने 25 फरवरी को उन्हें 1 मार्च तक कार्यभार संभालने का निर्देश दिया और निर्धारित तिथि तक पदभार न ग्रहण करने पर बीते 3 मार्च को उनकी नियुक्ति रद्द कर दी। उन्होंने कुलाधिपति के नियुक्ति निरस्तीकरण आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय इलाहाबाद की लखनऊ खंडपीठ में चुनौती दे दी थी। लखनऊ खंडपीठ ने कहा कि नियुक्ति पत्र में कार्यभार ग्रहण करने की कोई समय–सीमा निर्धारित नहीं थी। साथ ही यह जानकारी थी कि डॉ सिंह को अपने पूर्व संस्थान से कार्यमुक्त होने में समय लगेगा। न्यायालय ने यह भी उल्लेख किया कि पूर्व कुलपति का कार्यकाल छह माह बढ़ाया गया था तथा पूर्व में अन्य कुलपतियों को कार्यभार ग्रहण करने के लिए चार माह तक का समय दिया गया था। खंडपीठ ने माना कि ऐसी परिस्थितियों में डेढ़ माह का समय मांगना पूरी तरह उचित था।

भगवान की बाल लीलाओं के साथ लक्ष्मी सागर सरोवर की महिमा का वर्णन

–भागवत कथा के उपरान्त कल होगा भण्डारे का आयोजन

अयोध्या। लक्ष्मी सागर, अयोध्या पर चल रही भागवत कथा के पंचम दिवस में वृंदावन से पधारे कथावाचक राहुल कृष्ण उपाध्याय ने भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं की दिव्य झांकियों के दृश्य का श्रवण कर श्रोता भवविभोर हो गये भक्ति में गोता लगाकर नृत्य करने लगे श्री लक्ष्मी सागर सरोवर की महिमा का गुणगान किया उन्होंने बताया कि श्री सरोवरः (लक्ष्मीसागर) महात्म्य अयोध्यायां महातीर्थ श्री कुण्डमिति विश्रुतम्। श्री कुण्डसान्निधौ देवि महालक्ष्मीर्विराजते। स्नात्वा श्री कुण्डतीर्थे तु सम्पूज्य जगदम्बिकाम्। पितृन् संतर्प्य विधिवत् तीर्थे श्रीकुण्डसंज्ञके ।। दत्ता दनानि विधिवदलक्ष्म्याः परिमुच्यते। लक्ष्मीक्षेत्रं महापीठं साधमानां सुसिद्धदम् ।। साधयंस्तत्र मन्त्रांश्च नरः सिद्धिमवाप्नुयात्। महालक्ष्मीपीठसमं नान्यलक्ष्मीकरं परम्।। श्री अयोध्या जी के जनकौरा लालबाग में एक महान तीर्थ है। जो श्री सरोवर लक्ष्मीसागर के नाम से प्रसिद्ध है। उसी सरोवर के समीप भगवती श्रीमहालक्ष्मी विराजती है। जो मनुष्य श्री सरोवर तीर्थ में स्नानकर जगदम्बा महालक्ष्मी का पूजन करके विधिपूर्वक पित् तर्पण तथा अनेक विधि दान करता है वह दरिद्रता से छुटकारा पा जाता है लक्ष्मी क्षेत्ररूप यह महालक्ष्मी पीठ साधको को उत्त्मसिद्धि देने वाला है जो मनुष्य कार्तिक कृष्ण पक्ष अमावस्या दीपावली को इस महालक्ष्मी पीठ में मन्त्रोच्चार से साधना करता है उसको अतिशीघ्र सफलता प्राप्त होती है तथा उसके सारे मनोरथ सिद्ध हो जाते है। महालक्ष्मीपीठ के समान संसार में लक्ष्मीवर्धक दूसरा पीठ नहीं हैं यह भी मान्यता है माता जानकी जी के पिता राजा जनक जी प्रथम बार अयोध्या आये थे तो इसी प्राचीनतम् नाम जनकौरा क्षेत्र में अपने सगे संबंधियों के साथ रूके थे। भागवत कथा के उपरान्त 1 जून को विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर श्री लक्ष्मीसागर सेवा व संरक्षण समिति, लालबाग, अयोध्या के संरक्षक डॉ. वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, अध्यक्ष मुकेश श्रीवास्तव, जयराम उपाध्याय, पंकज गुप्ता, पवन गुप्ता, राजेन्द्र कुमार जायसवाल आदि जानकारी कार्तिकेय श्रीवास्तव ने दी।

डायसा की तृतीय जिला योगासन स्पोर्ट्स चौंपियनशिप संपन्न

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के योग विभाग में डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीसरी जिला योगासन स्पोर्ट्स चौंपियनशिप 2026 सफलतापूर्वक संपन्न हुई। प्रतियोगिता का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और योग खिलाड़ियों की आकर्षक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि ने कहा कि योग को जीवन में बनाए रखने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। परिवार में इसे अपनाने से सभी निरोगी व स्वस्थ रह सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि केवल मुस्कुराने से व्यक्ति तनावमुक्त, युवा और सुंदर बना रहता है। उपाध्यक्ष, विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद सचिव प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने खिलाड़ियों की प्रतिभा, संतुलन और आत्मविश्वास की सराहना की। उन्होंने कहा कि योगासन केवल एक खेल नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने युवाओं को योग से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि वे शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बन सकें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. आलोक तिवारी, डॉ. गायत्री वर्मा, डॉ. प्रवीण राय, कंपटीशन मैनेजर दीपेश सिंह, निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ. राजपाल व रोली पाण्डेय उपस्थित रहे। चौंपियनशिप में विभिन्न स्पर्धाओं के विजेता रहे प्रतिभागियों में ट्रेडिशनल योगा – इंडिविजुअल में बालिका वर्ग 09–14 वर्ष में अंशी यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में कशिश द्विवेदी प्रथम व खुशी सोनकर द्वितीय स्थान पर रहीं। पुरुष वर्ग में सुशांत पांडेय प्रथम व शिवा भारती द्वितीय स्थान पर रहे। आर्टिस्टिक योगा महिला वर्ग में स्वाति ने प्रथम स्थान हासिल किया। फॉरवर्ड बेंड योगा में सनोज कुमार व बैक बेंड योगा में तनु मौर्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लेग बैलेंस स्पर्धा में महिला वर्ग से कोमल मौर्या व पुरुष वर्ग से मृदुल जी कौल ने प्रथम स्थान हासिल किया। ट्विस्टिंग बॉडी – इंडिविजुअल में अंचल सोनी प्रथम स्थान पर रहीं।

एमबीए एग्री बिजनेस मैनेजमेंट के आठ छात्रों का मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी में हुआ चयन

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग के एग्री बिजनेस मैनेजमेंट के छात्रों सफलता मिली है। विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल के प्रयासों से आठ छात्रों का चयन प्रतिष्ठित श्री बाबा कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनीश् में हुआ है। इस प्लेसमेंट ड्राइव में छात्रों के तकनीकी ज्ञान, एग्री–बिजनेस स्किल और इंटरव्यू के आधार पर कंपनी ने उन्हें जॉब ऑफर की है। विश्वविद्यालय प्रशासन और शिक्षकों ने दी बधाई छात्रों की इस सफलता पर विश्वविद्यालय के कुलपति, विभागाध्यक्ष और प्लेसमेंट सेल ने खुशी जाहिर की है। इस अवसर पर प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने कहा ष्हमारे छात्रों का इस तरह की प्रतिष्ठित कंपनियों में चुना जाना विश्वविद्यालय के उच्च स्तरीय शैक्षणिक माहौल और ट्रेनिंग को दर्शाता है। एग्री–बिजनेस के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और हमारे छात्र देश के कृषि और डेयरी विकास में अपना बहुमूल्य योगदान देंगे। विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने कहा कि रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर श्री बाबा कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी डेयरी और मिल्क प्रोडक्शन के क्षेत्र में एक तेजी से उभरता हुआ नाम है। इस प्लेसमेंट से न सिर्फ छात्रों को एक बेहतरीन करियर स्टार्ट मिलेगा, ।

आशा पांडेय बनाई गई रालोद महिला शाखा की जिलाध्यक्ष

अयोध्या।जनपद में राष्ट्रीय लोकदल महिला शाखा की जिलाध्यक्ष आशा पांडेय बनाई गई हैं । तारुन निवासी श्रीमती आशा पांडेय एक संभ्रान्त और राजनीतिक महिला हैं। यह जिला पंचायत का चुनाव भी लड़ चुकी हैं। रालोद की महिला प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती परिणीता सिंह ने आदेश जारी किया है कि श्रीमती आशा पांडेय के महिला जिलाध्यक्ष बनने से जिले में रालोद मजबूत होगी।इससे जिले के सभी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं में प्रसन्नता की लहर दौड़ गई है।उक्त जानकारी देते हुए रालोद के प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वेश नाथ मिश्र सुडडू मिश्रा ने बनाया कि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष ने इन्हे महिला जिलाध्यक्ष बनाया है। आशा पांडेय से अपेक्षा की गई है कि एक महीने के अंदर कमेटी बना करके प्रदेश अध्यक्ष को ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएं भेजें।

भाजपा सरकार आम आदमी को सस्ती व फुल वोल्टेज की बिजली देने में नाकाम राजेन्द्र प्रताप सिंह

अयोध्या। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बिजली के मूल्य में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की कड़ी निंदा करते हुए कहा अघोषित बिजली की कटौती से आम आदमी त्राहि त्राहि कर रहा है ऊपर से बिजली के मूल्य की बढ़ोतरी से महंगाई से बेहाल आम जनता पर महंगाई का एक बोझ लाद दिया श्री सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा प्रदेश की भाजपा सरकार आम आदमी को सस्ती व फुल वोल्टेज की बिजली देने में नाकाम है इससे छोटे उद्योग एवं घरेलू उपकरण अपनी क्षमता के अनुसार नहीं चल पा रहे हैं जिससे तमाम काम नहीं हो पा रहे उन्होंने कहा डीजल पेट्रोल रसोई गैस के दामों में बढ़ोतरी से तमाम आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ गए महंगाई के कारण तमाम परिवारों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है इसमें गरीब किसान मजदूर निम्न मध्यम वर्ग परेशान है उन्होंने बिजली के मूल्य वृद्धि को तत्काल जनहित में वापस लेने की मांग की।

भारतीय मजदूर संघ की बैठक में आंदोलन की बनी रणनीति

अयोध्या। भारतीय मजदूर संघ जिला अयोध्या कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक में संगठन के विभिन्न विभागों से जुड़े पदाधिकारियों ने भाग लिया। श्रमिक हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर आगामी आंदोलन की रणनीति भी तय की गई। जिला अध्यक्ष अम्बरीष सिंह की अध्यक्षता में तथा विभाग प्रमुख जय प्रकाश सिंह, मुख्य संरक्षक सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मुकेश पांडेय जलकल विभाग, कृष्ण कुमार शुक्ला पराग डेयरी, गुरु नारायण पांडेय, शुभम् सिंह, पुष्कर दत्त तिवारी, रामप्रकाश, विनय कुमार मिश्रा उत्तर रेलवे, अजय बहादुर सिंह, राम आशीष मौर्य, राम बहादुर यादव, पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति के सदस्यों की उपस्थिति तथा जिला मंत्री मानवेन्द्र के कुशल संचालन में सम्पन्न हुई। बताया गया कि भारतीय मजदूर संघ की पत्रिका विश्वकर्मा संकेत के अधिकतम सदस्यता हेतु लक्ष्य 10 जून तक प्राप्त कर लिया जाएगा। तथा 18 जून 2026 के प्रदेश के सभी जनपदों में विभिन्न विभागों की समस्याओं एवं श्रमिक हितों को लेकर जिला अधिकारी कार्यालयों पर एक दिवसीय प्रस्तावित प्रदर्शन एवं ज्ञापन कार्यक्रम में अधिकतम संख्या में उपस्थित के साथ सफल बनाना है।भारतीय मजदूर संघ उत्तर प्रदेश की सम्पन्न कार्य समिति बैठक के विंदुओं की जानकारी तथा प्रस्तावित कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक के अंत में जिला अध्यक्ष अम्बरीश सिंह द्वारा जिला सम्मेलन में गठित नई कार्यकारिणी का परिचय् कराया गया।

अंडरपास में भरा पानी लोगो के लिए बना मुसीबत

गोसाईंगंज अयोध्या। गोसाईंगंज कोतवाली इलाके के गददौपुर गुडुइया गांव के पास गेट नम्बर 92 सी पर रेलवे विभाग द्वारा बना अंडरपास लोगो की मुसीबत का कारण बन गया है। विभाग ने अंडरपास तो बना दिया परन्तु जल निकासी प्रबंधन करना भूल गया जिससे लोगो का आना जाना दूभर हो गया है।इस अंडरपास से दसियों गांवों के तकरीबन दस हजार की आबादी का आने जाने का एकमात्र रास्ता है।आये दिन पानी भरा होने के कारण तमाम वाहन फंसता रहता है।ऐसा भी नही है कि विभाग को इसकी जानकारी नही है,ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामभवन वर्मा ने कई बार जेई,ठेकेदार,स्टेशन मास्टर सहित तमाम रेलवे के उच्चाधिकारियों से शिकायत किया,जिसके बाद पम्प से पानी तो निकाल दिया जाता है परन्तु दोबारा जलभराव ना हो इसके लिए कोई ठोस उपाय नही किया जाता है।प्रधान प्रतिनिधि ने बताया कि यदि बार बार शिकायत करने के बावजूद अब रेलवे विभाग इस पर कोई ठोस कार्यवाही नही करता है तो सारे ग्रामीण धरना प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी रेलवे विभाग की होगी।

तेजरफ्तार पिकअप गेट से टकराई, चार घायल, दो की हालत नाजुक

नवाबगंज (गोण्डा) कोल्हमपुर चौकी क्षेत्र के कोल्हमपुर–कटरा मार्ग पर शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे अयोध्या से लौट रही सवारियों से भरी तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने गेट से टकरा गई। हादसे में चार लोग घायल हो गए, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही कोल्हमपुर चौकी इंचार्ज उमेश सिंह मौके पर पहुंचे और घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भिजवाया। मिली जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन में कुल 15 लोग सवार थे, जो बलरामपुर जनपद के मथुरा गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। सभी लोग अयोध्या दर्शन कर वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान कोल्हमपुर–कटरा मार्ग पर वाहन का स्टेयरिंग फेल हो गया, जिससे पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने गेट से जा टकराई। हादसे में दुर्गा (65 वर्ष) व सभावन (60 वर्ष) को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि काटन (62 वर्ष) व पूजा (25 वर्ष) भी घायल हो गए। पिकअप में सवार 10 वर्षीय बच्ची अनुराधा ने बताया कि सभी लोग अयोध्या दर्शन कर लौट रहे थे, तभी अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया और हादसा हो गया। कोल्हमपुर चौकी इंचार्ज उमेश सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। प्रथम दृष्टया हादसे का कारण वाहन का स्टेयरिंग फेल होना बताया जा रहा है।

बड़ी सफलता से निकाला गया 16 किलो का ट्यूमर

गोण्डा मुख्यालय पर ददुआ बाजार स्थित श्री श्याम पाली क्लीनिक हॉस्पिटल में डॉ अमित पांडेय सर्जन की अगुवाई में गत गुरुवार को जनक दुलारी उम्र 45 साल का सफल आपरेशन हुआ। डॉ अमित पांडेय ने बताया कि मरीज जनक दुलारी पत्नी बालक राम ग्राम बजरिया ब्लाक गेडसा गोंडा की निवासी हैं,जो किसी के बताए अनुसार मेरे श्री श्याम पाली क्लीनिक हॉस्पिटल पहुंची।मरीज को देख कर बहुत ही टिपिकल केस था।मरीज के पेट से कड़ी मेहनत के बाद सफल आपरेशन किया गया जिसमें 16 किलो का पेट में कैंसर ट्यूमर था। ऑपरेशन के बाद मरीज बिल्कुल स्वस्थ है। सफल आपरेशन में डॉ अमित पांडेय के अलावा डॉ नमन अग्रवाल, डॉ रूमान खान, स्टाफ नर्स नीलम सोनी,रेखा शर्मा, ज्योति,कल्पना पाठक,शालिनी,पूनम का विशेष सहयोग रहा।मरीज के पति ने बताया कि हम मरीज को कई जगह पर ले गये मगर हर जगह से वापस कर दिया गया और कहा कि घर पर ले जाइये और सेवा पानी करें मरीज में अब कुछ बचा नहीं है।मगर कहावत है जाको राखे साइयां मार सके न कोय,, किसी ने बताया कि श्री श्याम हॉस्पिटल दिखा दीजिए।तो मैंने दिखाया और बहुत ही सफल इलाज हो गया और मरीज बिल्कुल स्वस्थ है।मरीज के पति ने डॉ अमित पांडेय और सभी स्टाफ को धन्यवाद दिया।

सदर विधायक ने जनहित के मुद्दो को लेकर किया धरना प्रदर्शन

चित्रकूट। सपा के सदर विधायक अनिल प्रधान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सदर तहसील परिसर में पेपर लीक, पेट्रोल, डीजल, गैस के बढ़ते दाम, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, पलायन मेडिकल कॉलेज की स्थापना, अघोशित विद्युत कटौती बंद करने, बेहतर सरकारी स्कूलों की स्थापना, स्मार्ट मीटर, पेयजल आपूर्ति, सड़कों की खस्ताहाल हालत, नए संपर्क मार्गों का निर्माण, तहसील एवं थानों में व्याप्त भष्टाचार, अवैध खनन, बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था आदि जन समस्याओं के निस्तारण को लेकर धरना प्रदर्शन कर राष्ट्रपति सहित डीएम को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौपा। सदर विधायक ने कहा कि उत्तर प्रदेश सहित जनपद में बेरोजगारी व महंगाई चरम पर है। डीजल–पेट्रोल व गैस के दाम बढते जा रहे हैं। जिले में प्रमुख मार्गों से जुड़ने वाले मार्ग बुरी तरह से खराब हैं। वर्तमान सरकार हांथ में हांथ रखकर बैठी हुई है। तहसील व थानों पर भ्रष्टाचार चरम पर है। स्वास्थ्य व्यवस्था की हालत खस्ताहाल है। जिला अस्पताल रेफर सेंटर बना हुआ है। साथ ही विधानसभा अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने कहा कि जिले में विद्युत व्यवस्था पूरी तरह से धड़ाम है। रातभर विद्युत कटौती की जा रही है। स्मार्ट मीटरों के नाम से लोगों से ठगी की जा रही है। जिला उपाध्यक्ष जर्नादन सिंह पटेल ने कहा कि गैस सिलेण्डर व डीजल–पेट्रोल के दाम बढते जा रहे हैं। सरकार के शुष्क रवैये से जनता बेहाल है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष हरिमोहन सिंह यादव ने कहा कि जिले में नमामि गंगे योजना मात्र दिखावा है। प्रशासन द्वारा नल लगा दिए गये हैं लेकिन आज तक उनमें पानी नहीं आया है। जिला उपाध्यक्ष अरशद खान ने कहा कि अवैध खनन हो रहा है। इस दौरान कुलदीप यादव, मंगल सिंह यादव, गौरीष्शंकर पटेल, शिवम पाण्डेय, संतोश कुमार यादव, अजय वर्मा, महेन्द्र सिंह यादव, आशुतोष अग्रहरि, श्रीराम गुप्ता आदि सपाई मौजूद रहे।

दलित बेटियों पर जुर्म, अत्याचार बर्दाशत नहीं करेगी कांग्रेस- कमल किशोर कमाण्डो

महोबा में दलित बेटी के साथ दुराचार पर चुप्पी शर्मनाकः 50 लाख रूपये का मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को नौकरी दे सरकार

बस्ती। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर पत्रकारों से वार्ता करते हुये पूर्व सांसद कमल किशोर कमाण्डों ने कहा कि भाजपा की सरकार में बेटियां सुरक्षित नहीं है। दलित बेटियों के साथ दुराचार, हत्या मामलों में सरकार और प्रशासन कोई सुनवाई नहीं कर रहा है। कांग्रेस इन सवालों को लेकर निरन्तर संघर्ष कर रही है।

पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये पूर्व सांसद कमल किशोर ने कहा कि महोबा की एक दलित छात्रा का अपहरण कर 16 दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया, उसके साथ न सिर्फ दुष्कर्म किया गया बल्कि नरभक्षीय व्यवहार किया गया। सरकार का कोई नुमाइंदा पीड़िता के घर नहीं पहुँचा, जब उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय पीड़िता का दुख साझा करने उसके घर जा रहे थे तो उन्हें रोकने की हर संभव कोशिश की गई मगर वह पीड़िता के घर पहुँचे। पूर्व सांसद कमल किशोर कमाण्डों ने कहा कि पीड़ित परिवार के परिजनों को 50 लाख रूपये की आर्थिक सहायता देने के साथ ही परिवार के एक सदस्य को नौकरी दिया जाय।

कहा कि यह संवेदनहीन सरकार जो खुद तो पीड़िता का दुख साझा करने की संवेदना नहीं रखता वह अजय राय के जाने से इतना व्याकुल हो गया कि पूरे प्रदेश में सरकार की सह पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उनके इस मानवीय और मार्मिक कार्य के विरोध अजय राय जी खिलाफ धरना प्रदर्शन शुरू हो गए। कार्यकर्ता तो कार्यकर्ता सरकार के मंत्री और विधायक भी आगे आकर प्रदेश अध्यक्ष का विरोध करने लगे। बौखलाई सरकार के नुमांइदों ने अजय राय के खिलाफ उनकी संपत्ति की जांच की मांग की है। बड़ा हास्ययास्पद है कि आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी यह सरकार और उनके मंत्री और विधायक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की संपत्ति की जांच की मांग कर रहें हैं जबकि उनका सारा सार्वजनिक जीवन खुली किताब की तरह है। अभी दो दिनों पूर्व ही आगरा नगर निगम ने प्राइवेट बिजली कंपनी टोरेंट का 430 करोड़ रूपये माफ किए हैं, इसके पहले हजारों करोड़ रूपये पूंजीपतियों के माफ कर उनसे भाजपा ने वसूली की है। कांग्रेस यह सिद्ध कर चुकी है काम लो चंदा दो की नीति भाजपा सरकार बना चुकी है तथा ईडी, आयकर के छापों से वसूली की नीति भी भाजपा की बनाई हुई है इससे बड़ा भ्रष्टाचार का उदाहरण भला और क्या हो सकता है? जनता इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष बृजेश आर्य ने कहा कि लालगंज थाना क्षेत्र के सिद्धनाथ गांव में दलित बालिका सृष्टि उर्फ परी के साथ दुराचार, हत्या मामले में एक वर्ष बीत जाने के बावजूद पुलिस द्वारा मामले का खुलासा न किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

बड़े से लेकर लघु उद्यमियों तक, योगी सरकार रख रही ख्याल’

गोरखपुर,। बीते नौ वर्षों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) इंडस्ट्रीज का हब बनकर उभरा है। उद्योगों के लिए सरकार की प्रोत्साहनपरक नीतियों, उद्यम और उद्यमियों की सुरक्षा की गारंटी के चलते इन नौ सालों में गीडा में करीब पंद्रह हजार करोड़ रुपये का निवेश और इसके जरिये करीब पचास हजार युवाओं को रोजगार संभव हुआ है। योगी सरकार ने गीडा को न केवल बड़े निवेशकों के लिए उनकी पसंद का गंतव्य बनाया बल्कि उनके समानांतर ही लघु और मध्यम उद्यमियों की भी सुधि ली। एमएसएमई यूनिट्स के लिए जरूरत के हिसाब से औद्योगिक भूखंड की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के साथ ही गीडा में प्लग एंड प्ले मॉडल का एमएसएमई फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स का निर्माण इसका प्रमाण है।लॉ एंड ऑर्डर, कनेक्टिविटी और इन्वेस्टर्स फ्रेंडली पॉलिसी से गीडा में औद्योगिक विकास का नया ईको सिस्टम तैयार हुआ है। उद्यमियों के पलायन की प्रवृति से छुटकारा पाकर यह क्षेत्र उद्योगों की कतार वाले प्रमुख क्षेत्रों में शामिल हो गया है। पिछले कुछ वर्षों में गीडा क्षेत्र में केयान इंडस्ट्रीज ने 1200 करोड़ रुपये, पेप्सिको की फ्रेंचाइजी वरुण ब्रेवरेज ने 1100 करोड़, अंकुर उद्योग ने 500 करोड़, इंडिया ऑटोव्हील्स ने 400 करोड़, एसडी इंटरनेशनल ने 300 करोड़, सीपी मिल्क एंड फूड्स (ज्ञान डेयरी) ने 118 करोड़, तत्वा प्लास्टिक्स ने 105 करोड़ और कपिला कृषि उद्योग ने 100 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसके साथ ही बड़ी यूनिट के रूप में कोका कोला के प्लांट का भूमि पूजन हो चुका है। इसके लिए गीडा सेक्टर 27 में 40 एकड़ भूमि का आवंटन किया है। पहले चरण में यहां 800 करोड़ रुपये के निवेश से प्लांट लगाया जा रहा है। यही नहीं, प्रदेश का पहला प्लास्टिक पार्क भी गोरखपुर के गीडा में ही विकसित किया गया है।एमएसएमई यूनिट्स के लिए फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स’ योगी सरकार ने एमएसएमई यूनिट्स, विशेषकर रेडीमेड गारमेंट, आईटी, फार्मा सेक्टर के लिए प्लग एंड प्ले मॉडल पर फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स को भी धरातल पर उतारा है। गीडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी अनुज मलिक बताती हैं कि 80 एमएसएमई यूनिट्स के लिए गीडा के सेक्टर 13 में यूपी का दूसरा फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स 42.50 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार है। जल्द ही इसके आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। एमएसएमई यूनिट्स के लिए सबसे बड़ी चुनौती इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की होती है। फ्लैटेड फैक्ट्री इसका समाधान कर देगी।

उम्रकैद काट रहे कैदी के लीवर ट्रांसप्लांट पर 14 लाख खर्च करेगा जेल प्रशासन

बस्ती मानवीय संवेदनाओं को सर्वोपरि रखते हुए प्रदेश शासन ने जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे एक कैदी के जीवन को बचाने के लिए एक बड़ा और सराहनीय निर्णय लिया है। हत्या के मामले में सजा काट रहे कैदी राजेश चौहान को लीवर की गंभीर बीमारी के उपचार के लिए लीवर ट्रांसप्लांट की आवश्यकता है, जिसके लिए शासन ने 14 लाख रुपये की धनराशि मंजूर की है। जेल में रहने के दौरान ही उसकी तबीयत बिगड़ी और उसे लीवर संबंधी गंभीर समस्या का पता चला। सबसे पहले जिला अस्पताल, फिर कैली मेडिकल ले जाया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कालेज, लखनऊ के राममनोहर लोहिया मेडिकल कालेज, केजीएमयू के बाद अब एसजीपीजीआई में उपचार कराया जा रहा है।

राशन कोटेदार पर घटतौली, मनमानी का आरोपः जांच के साथ कार्यवाही की मांग

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के गोबरहिया निवासी उमेश शुक्ल ने मुख्यमंत्रीके पोर्टल आजीआरएस पर शिकायती पत्र देकर और प्रसिद्ध कुमार पुत्र चन्द्रभूषण ने जिलाधिकारी को पत्र देकर ग्राम पंचायत लोहरौली के कोटेदार राज नरायन पर राशन वितरण में घटतौती, मनमानी का आरोप लगाते हुये जांच और प्रभावी कार्यवाही की मांग किया है।डीएम को दिये पत्र में प्रसिद्ध कुमार ने कहा है कि राशन कोटेदार राज नरायन ने उसे और ग्रामसभा के समस्त राशन कार्ड धारको को 2 किलो राशन कम देने के साथ ही घटतौली किया। घटतौली से मिले बचे राशन को खुले बाजार में बेंच दिया जाता है।

समझौते की तारीख पर पत्नी नहीं आई तो युवक ट्रेन के आगे कूदा, कटा पैर

चित्रकूट। परिवार परामर्श केंद्र में समझौते की तारीख पर पत्नी के न आने से क्षुब्ध युवक ने शुक्रवार शाम नई बाजार रेलवे क्रासिंग के पास ट्रेन के आगे कूदकर जान देने की कोशिश की। ट्रेन की चपेट में आने से उसका एक पैर कट गया। गंभीर हालत में प्रयागराज रेफर किया गया है। जगदीशगंज निवासी मो. ताहिर (26) का छह साल पहले मवई मऊ निवासी सजदा से निकाह हुआ था। भाई मो. हनीफ ने बताया कि घरेलू विवाद पर पत्नी एक बच्चे को लेकर मायके चली गई थी। ताहिर सतना में रहने लगा। मामला परिवार परामर्श केंद्र पहुंचा। शुक्रवार को तारीख थी। ताहिर एसपी कार्यालय पहुंचा, लेकिन पत्नी नहीं आई। केंद्र प्रभारी ने अगली तारीख दी। समझौता न होने से परेशान ताहिर शाम को रेलवे क्रासिंग पहुंचा और ट्रेन आते ही पटरी पर लेट गया। जिससे एक पैर कट गया। पुलिस ने जिला अस्पताल पहुंचाया। एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि युवक नशे का आदी है। पहले भी हाथ की नस काट चुका है। पत्नी इसी वजह से मायके में रह रही है।

अपनी विचार धारा से लोक जनशक्तिपार्टी नहीं करती समझौता : अजय गुप्ता

चित्रकूट। जनपद के सीतापुर स्थित आनंद रिसॉर्ट में लोक जनशक्ति पार्टी ने बुंदेलखंड के चित्रकूट में प्रदेश उपाध्यक्ष अजय गुप्ता एवं बिहार की विधान परिषद सदस्य संगीता देवी, विष्णु देव पासवान एवं धर्मेंद्र मिश्र राष्ट्रीय अध्यक्ष किसान प्रकोष्ठ के रूप में अहम भूमिका रही। इनके नेतृत्व में युवा समाजसेवी कु. भूपेंद्र सिंह पटेल को जिलाध्यक्ष जिलासंयोजक का पदभार सौंपा गया। उन्होंने अपनी विचारधारा को और जनपद के विकास को सर्वोपरि रखकर इस पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया।समीक्षा बैठक के दौरान पार्टी कार्यकर्ता प्रमोद सिंह (बबुली) प्रदेश महासचिव, कमलेश द्विवेदी (प्रदेश उपाध्यक्ष) अजय सोनी (प्रदेश उपाध्यक्ष) रमेश भूषण (प्रदेश प्रधानमहासचिव) शिवशंकर गुप्ता (मंडल अध्यक्ष) कु. भूपेंद्र सिंह पटेल (जिलाध्यक्ष) आदित्य शुक्ला (उपाध्यक्ष) धीर सिंह (युवा जिलाध्यक्ष) आशा मिश्रा (प्रदेश महामंत्री) शान्ति सिंह (प्रदेश महासचिव) संजय गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, संगीत मिश्रा, भोला गुप्ता, सत्यम त्रिपाठी, एस अग्रहरी, दिलीप गुप्ता, संजय अग्रहरी, कमलेश द्विवेदी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एक वर्ष बीत जाने के बावजूद पुलिस नहीं कर पायी दलित बालिका के हत्या मामले का खुलासा

मां ने अनुसूचित जाति आयोग को पत्र भेजकर किया मामले की सीबीआई जांच की मांग

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के सिद्धनाथ गांव में दलित बालिका सृष्टि उर्फ परी के साथ दुराचार, हत्या मामले में एक वर्ष बीत जाने के बावजूद पुलिस द्वारा मामले का खुलासा न होने से आहत मां अंजनी देवी पत्नी राजू ने अनुसूचित जाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष को पत्र भेजकर मामले की सी.बी.आई. से निष्पक्ष जॉच करवाकर न्याय दिलाते हुए अपराधियों को सजा दिलाने की मांग किया है।

अनुसूचित जाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेजे पत्र में मां अंजनी देवी पत्नी राज ने कहा है कि उसकी पुत्री सृष्टि उर्फ परी उम्र 5 वर्ष कक्षा–1 गाँव के प्राथमिक विद्यालय की छात्रा थी, सृष्टि गत 18.05.2025 को दिन में करीब 2 बजे अपने घर से दादी को बुलाने निकली। गाँव की तरफ घर से दक्षिण दिशा की तरफ लगभग घंण्टो बीत जाने के बाद सृष्टि घर वापस नही आयी और दादी जब घर वापस आयी तो उसका पूरा परिवार सृष्टि की खोजबीन करने लगे काफी खोजबीन के बाद भी सृष्टि का पता नही लग पाया उसके बाद सृष्टि के पिता ने डायल 112 पर सूचना की मौके पर पुलिस पहुँची आश्वासन देकर चली गयी। उसी रात लगभग 8 बजे अचानक काफी संख्या में पुलिस बल उसके घर पहुँची। पुलिस सृष्टि की खोजबीन करने लगी इस दौरान उसके घर से लगभग 200 मीटर दूर उत्तर दिशा में बाग में सृष्टि की लाश बरामद हुई। पुलिस प्रशासन व ग्राम प्रधान ने उसके मृतक शरीर को नही दिखाया और अपने कस्टडी में लेकर बोले जिला अस्पताल लेकर जा रहा हूँ। 19 मई 2025 को पोस्टमार्टम हाउस से सृष्टि का मृतक शरीर दिया गया। मां को आशंका है कि बेटी की बलात्कार व हत्या पुरानी रंजिश को लेकर किया गया है। उसकी हत्या हरीश मिश्रा पुत्र राम अचल मिश्रा, दुर्गेश मिश्रा पुत्र राम आशीष मिश्रा व ग्राम प्रधान विजय कुमार यादव पुत्र सत्यराम यादव के द्वारा की गई है। घटना 18 मई .2025 की है लेकिन अभी तक पुलिस लीपा–पोती करते हुए अपराधियों के मिली भगत से कोई कार्यवाही नही कर रही है। घटना करने वाले अपराधी का पुलिस व प्रधान को मौके पर एक पर्स भी मिला था घटना हुए 1 वर्ष हो गया उसे आंशका है कि घटना को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। अंजनी देवीके पति राजू की दोनो किड़नी खराब होने से इलाज चल रहा है। घटना करने वाले अपराधी द्वारा कोई भी अप्रिय घटना हो सकती है। उसने मामले के सीबीआई जाच की मांग किया है।

बच्चों में छिपी प्रतिभा को निखारने का मंच है समर कैंप -संजय शुक्ल

डायट में 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन समर कैंप शुरू

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में शुक्रवार को 15 दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ हुआ। आरना थियेटर एवं एक्टिंग स्टूडियों, नई दिल्ली तथा डायट के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 15 दिवसीय समर कैंप कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि आरना थियेटर एवं एक्टिंग स्टूडियो के प्रोड्यूसर एवं डायरेक्टर राकेश शुक्ल एवं डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य सहायक निर्देशक मिलन मंजोशी और सहायक निर्देशक दिनेश त्रिपाठी, रमेश भारद्वाज, कला क्राफ्ट प्रशिक्षक रजनी चौधरी, चंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य ने कहा कि इस तरह के ग्रीष्मकालीन शिविर बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा को निखारने का एक बेहतरीन मंच है। पढ़ाई के साथ–साथ रचनात्मक विधाओं से जुड़ने से बच्चों का मानसिक और सर्वांगीण विकास होता है। मुख्य अतिथि ने कहा कि 15 दिनों तक चलने वाले इस विशेष कैंप में बच्चों को अभिनय, थियेटर की बारीकियों, संवाद अदायगी और मंच संचालन जैसी कलाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। नई दिल्ली के अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा बच्चों को थियेटर और सिनेमा की विधाओं से रूबरू कराया जाएगा। इस कैंप की मुख्य विशेषताएं ये है कि इस कार्यकाल में अभिनय और रंगमंच का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिससे इस कला का प्रयोग डीएलएड प्रशिक्षु अपने शिक्षण कार्य में करेंगे। कार्यक्रम के नोडल प्रवक्ता डॉ गोविन्द अलीग ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस समर कैंप का उद्देश्य प्रशिक्षुओं एवं शिक्षकों का सर्वांगीण विकास करना है। प्राचार्य के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में कार्यक्रम को मूर्त रूप देने में डॉ रविनाथ, कल्याण पाण्डेय, वर्षा पटेल, सरिता चौधरी आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।इस अवसर पर मो. इमरान खान, अमन सेन, शशि दर्शन त्रिपाठी, नवनीत, रमाकांत डीएलएड प्रशिक्षु ज्ञानेन्द्र पटेल, चन्दन मिश्रा, अमरेन्द्र तिवारी, अरुण, सौरभ, नित्या द्विवेदी, मनीषा उपाध्याय, निशा शुक्ला, शिवशंकर, मनीष दुबे, इंद्रभान, [illegible] आदि उपस्थित रहे।

कुंवानों के पगारे घाट पर चला स्वच्छता अभियान

बस्ती।` जनसहभागिता के माध्यम से कुवांनो नदी के जीर्णोद्धार अभियान की कड़ी में विकास खण्ड रामनगर के ग्राम पंचायत नरकटहा अन्तर्गत पगारे घाट पर जीर्णोद्धार अभियान की शुरूआत किया गया।ब्लाक प्रमुख रामनगर यशकान्त सिंह, जिला पंचायत सदस्य सुबाष यादव एवं खण्ड विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने घाट पर साफ–सफाई किया। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

स्वच्छता अभियान के बाद ब्लाक प्रमुख रामनगर यशकान्त सिंह ने कहा नदियां भारतीय संस्कृति की धरोहर है जैसे शरीर में धमनिया रक्त का प्रवाह करती है वैसे हमारी नदिया पूरे ब्रहमाण्ड में जल प्रवाह को अविरल बनाती है। प्राचीन भारत के इतिहास को देखने पर पता चलता है कि किसी भी बड़े शहर या बड़ी सभ्यतायें विकसित हुई है वे सभी नदियों के किनारे थी। भारतीय संस्कृति में नदिया हमारी आस्था का प्रतीक है ये हमारी भावनाओं व चेतना को जागृति रखती है। वर्तमान समय में हमारी नदिंया अपने मूल स्वरूप को खो रही है। उनका जल स्तर घट रहा है नदियो को दूषित किया जा रहा है हम एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमारा यह नैतिक कर्तव्य बनता है कि हम अपनी धरोहर को सजोये और इसके मूल स्वरूप को नष्ट होने से बचाये। उन्होने कुंआनों को प्रदूषण मुक्त करने के लिये लोगों से सहयोग का आग्रह किया।इस अवसर पर भाजपा रामनगर के मंडल अध्यक्ष गिरजेश यादव, महामंत्री गिरजेश मिश्रा, प्रदीप सिंह, सुरेश पाण्डेय, रामशंकर गुप्ता, रामचन्दर, रिसव सिंह, रमेश सिंह, वीर श्रीवास्तव तथा ग्राम प्रधान, वीरेन्द्र कुमार चौधरी एवं ग्राम पंचायत सचिव शिवनन्दन त्रिपाठी सहित सैकड़ो की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहें।

पुलिस लाइन का एसपी ने किया निरीक्षण

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह ने पुलिस लाइन्स में शुक्रवार की साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ,तत्पर और अनुशासन बनाए रखने के लिए विभिन्न प्रकार के शारीरिक व्यायाम कराए गए, स्वास्थ्य के लाभ के लिए परेड की दौड़ करायी गयी। परेड में शामिल अधिकारी, कर्मचारियों को अनुशासन, एकरूपता और कर्तव्यनिष्ठा के संबंध में बताया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा परिवहन शाखा जाकर थानों से आयी समस्त चार, दो पहिया वाहनों, 112 पीआरवी वाहन तथा परिवहन शाखा में रखे वाहनों का निरीक्षण कर प्रभारी परिवहन शाखा को वाहनों की कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। डायल 112 कार्यालय, आवास परिसर, बैरक, सीपीसी कैन्टीन, मंदिर, भोजनालय, ऑर्मरी का निरीक्षण कर आरक्षी, महिला आरक्षियों का अर्दली रुम किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर यामीन अहमद, प्रतिसार निरीक्षक रामशीष यादव, पीआरओ प्रदीप पाल आदि मौजूद रहे।

जांच में नदी की जलधारा में नहीं मिला बालू खनन

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने टास्क फोर्स से जनपद के तहसील राजापुर स्थित ग्राम तीरधुमाई गंगू स्थित स्वी.त उपखनिज बालू मोरम के खनन पट्टा क्षेत्र की जॉच करायी। उपजिलाधिकारी राजापुर, क्षेत्राधिकारी राजापुर, प्रभारी निरीक्षक थाना सरधुवा व खान निरीक्षक टीम में रहे। निरीक्षण के दौरान पट्टाधारक द्वारा नदी की जलधारा के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नही पायी गयी है और न ही नदी की जलधारा में कोई खनन, अवैध खनन किया जाना मिला। इस प्रकार सोशल मीडिया ट्वीटर में प्राप्त शिकायत असत्य रही। डीएम के निर्देश के क्रम में अवैध खनन, परिवहन, ओवरलोडिंग पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने को गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा 24 से 29 मई तक जनपद में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत टास्क फोर्स द्वारा कुल 26 उपखनिज लदे वाहनों के विरुद्ध उपखनिजों के अवैध परिवहन किये जाने के कारण कार्यवाही करते हुये सम्बन्धित थानों की अभिरक्षा में दिया। इसी प्रकार विगत सप्ताह में कुल 124 उपखनिज लदे वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुये जुर्माना 40.44 लाख वसूला गया।

तीन परीक्षा केन्द्रों में कल होगी बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा

चित्रकूट। जिला कलेक्ट्रेट सभागार सोनेपुर में एडीएम चन्द्रशेखर की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा को जनपद में शान्तिपूर्वक एवं शुचितापूर्ण सम्पन्न कराये जाने को परीक्षा पूर्व तैयारियों के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की गयी। परीक्षा 31 मई को दो पालियों में प्रातः 9 से 12 एवं अपरान्ह 2 से 5 बजे तक होगी। इसके लिए कुल तीन परीक्षा केन्द्र चित्रकूट इण्टर कॉलेज कर्वी, गोस्वामी तुलसीदास राजकीय महाविद्यालय तथा राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज कर्वी निर्धारित किये गये हैं। 1059 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।परीक्षा की तैयारियों एवं आयोजन के संदर्भ में आयोजक बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी द्वारा नामित जनपद समन्वयक डॉ नीरज गुप्ता ने विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। इसी क्रम में उप नोडल अधिकारी डॉ राजेश कुमार पाल ने परीक्षा के आयोजन से सम्बन्धित विभिन्न तकनीकी पक्षों पर चर्चा की। इसके साथ ही जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर द्वारा परीक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं के विषय में अवगत कराया। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में डॉ आशीष सेठ एवं डॉ सौरभ सविता द्वारा जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। परीक्षा आयोजन से जुड़ी कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि सौरभ द्विवेदी ने बायोमेट्रिक, सीसीटीवी एवं स्कैनिंग आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर अपर एसपी ने परीक्षा के संबंध में पुलिस बल की तैनाती तथा कानून एवं शान्ति व्यवस्था संबंधी तैयारियों से अवगत कराया। बैठक को सम्बोधित करते हुए अपर जिलाधिकारी नगर प्रभारी चन्द्रशेखर ने परीक्षा को व्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने के लिए दिशा निर्देश देते हुए परीक्षा में योजित विभिन्न अधिकारियों, केन्द्र व्यवस्थापक, पर्यवेक्षकों आदि को उत्तरदायित्वों के समुचित निर्वहन के लिए सचेत किया। बैठक में केन्द्र प्रतिनिधि के रूप में राकेश कुमार पाठक एसडीएम राजापुर, प्रियंका यादव जिला दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी तथा स्टैटिक मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त बाबूलाल अपर सांख्यिकी अधिकारी, गौरव सिंह सहायक अभियन्ता सिंचाई प्रखण्ड प्रथम के साथ तीनों परीक्षा केन्द्रों पर नियुक्त पर्यवेक्षक एवं केन्द्र व्यवस्थापक, सह केन्द्र व्यवस्थापक मौजूद रहे।

अब 50 प्रतिशत सामान्य छात्र भी कर सकेगें पढ़ाई, अन्य सुविधाओं से लैस होगा दिव्यांग विश्वविद्यालय

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने बताया कि जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय में टाइप–2 आवासों कुल संख्या 12 के निर्माण कार्य के लिए शासन द्वारा 604.97 लाख की स्वी.ति प्रदान की गयी है। विवि में वर्ष 2023 में राज्य विश्वविद्यालय बनने के बाद अवस्थापना विकास का कार्य काफी तेजी से हुआ है। टाइप–2 आवास सामान्यतः सहायक प्रोफेसर समूह–ख स्तर के शैक्षणिक व गैरशैक्षणिक स्टाफ के लिए बनाये जा रहे हैं। ये 12 आवास आवासीय विश्वविद्यालय की अनिवार्यता विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग छात्रों को बोर्डिंग, लॉजिंग और आवश्यक आवश्यकताएं देना है। दिव्यांग छात्रों की विशेष देखभाल के लिए शिक्षकों व वार्डन का 24 घंटे परिसर में रहना जरूरी है। क्लास के बाद भी मेंटरिंग, थेरेपी, आपात सहायता देनी पड़ती है। स्टाफ की कमी दूर करना चित्रकूट जैसे दूरस्थ स्थान पर बाहर से योग्य फैकल्टी तभी आएगी जब परिवार सहित रहने की सुविधा मिले। टाइप–2 आवास न होने से कई पद खाली रह जाते थे। अब भर्ती व रिटेंशन बेहतर होगा। 50 प्रतिशत सामान्य छात्रों के प्रवेश के विस्तार के बाद अब सामान्य छात्र भी पढ़ेंगे। छात्र संख्या व कोर्स बढ़ने से नई फैकल्टी लगेगी। उनके लिए आवास पहले से तैयार रहना उपयुक्त है।

तमंचा रखने पर हुई सजा

चित्रकूट। आर्म्स एक्ट के अभियुक्त को कोर्ट ने जेल में बिताई गई अवधि एवं एक हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। सहायक अभियोजन अधिकारी सिद्धार्थ सिंह ने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट मऊ एस. आनन्द ने थाना मऊ में पंजी.त आर्म्स एक्ट के मामले में सत्र परीक्षण के दौरान दोष सिद्ध होने पर अभियुक्त अजय कुमार पुत्र रमेश चन्द्र निवासी सुरौधा को जेल में बिताई गई अवधि व एक हजार रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया है।

भ्रमण कर एंटी रोमियो टीमो ने किया जागरुक

चित्रकूट। मिशन शक्ति फेज का द्वितीय चरण महिलाओं की सुरक्षा व स्वावलंबन की नई पहल जिले में महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन को समर्पित पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों की एण्टी रोमियों टीम द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया। हेल्पलाइन नम्बरोंव कानूनी प्रावधान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जागरूकता एवं शिकायत निस्तारण, स्कूल व कॉलेज, वर्किंग वूमेन हॉस्टल में जागरूकता कार्यक्रम, निम्न आय वर्ग बस्तियों, गांवों, वार्डों, मोहल्लों में चौपाल कार्यक्रम प्रमुख बाजारों, कस्बों व चौराहों पर जागरूकता व शिकायत निस्तारण किया गया।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 31 मई 2026
sheelshukla100@gmail.com

रियान पराग के बयान पर कुमार संगाकारा का बेबाक जवाब, आरआर की रणनीति पर खोले राज

कुमार संगकारा ने रियान पराग के इस बयान से असहमति जताई कि युवा खिलाड़ियों के कारण राजस्थान रॉयल्स को प्लेऑफ में नहीं होना चाहिए था। कोच ने स्पष्ट किया कि 2022 से टीम की रणनीति जीतने वाले और तत्काल मैच जिताने वाले खिलाड़ियों को चुनने की है, जो फ्रेंचाइजी की जीत की मानसिकता को दर्शाता है। संगकारा ने यह भी खुशी व्यक्त की कि टीम ने बाहरी संदेहियों को गलत साबित कर आईपीएल प्लेऑफ में जगह बनाई।

राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा, टीम के कप्तान रियान पराग द्वारा प्लेऑफ में क्वालीफाई करने की उम्मीदों के बारे में दिए गए बयान से सहमत नहीं थे। राजस्थान ने लीग के अपने आखिरी मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ करो या मरो की जीत हासिल कर चौथा स्थान प्राप्त किया। इसके बाद रॉयल्स ने एलिमिनेटर में सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर क्वालीफायर 2 में जगह बनाई, जहां शुक्रवार को शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात टाइटन्स ने उन्हें हरा दिया। पराग के इस बयान पर कि रॉयल्स को प्लेऑफ में नहीं होना चाहिए था, संगकारा ने पूरी तरह असहमति व्यक्त की।एक रिपोर्टर ने कप्तान के उस बयान पर मुख्य कोच से उनकी राय पूछी, जिसमें उन्होंने कहा था कि टीम में युवा और अनुभवहीन खिलाड़ियों की संख्या को देखते हुए शीर्ष चार में जगह बनाना मुश्किल है। इस मामले पर फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच की राय बिल्कुल अलग थी। संगकारा ने कहा कि नहीं, आरआर की ऐसी कोई राय नहीं थी, शायद पहले थी। इससे यह संकेत मिलता है कि फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों को केवल खिताब जीतने की मानसिकता से खरीदा था। उन्होंने कहा कि 2022 में, हमने जानबूझकर यह फैसला किया कि हम इसे बदलेंगे। हमने तय किया कि हम ऐसे खिलाड़ियों को टीम में शामिल करेंगे जो हमें मैच जिता सकें और तुरंत खेलने के लिए तैयार हों। हमने

इसी सोच के साथ हर चीज को आगे बढ़ाया है। वैभव एक अपवाद हैं, लेकिन हमने उन्हें इसलिए खरीदा क्योंकि हमें लगा कि वह हमारी शुरुआती प्लेइंग इलेवन में खेलने के लिए पूरी तरह से सक्षम हैं।

टीम के शविकास पहलूश पर बोलते हुए संगकारा ने बताया कि फ्रेंचाइजी की रणनीति चार साल पहले बदल गई थी, हालांकि उन्होंने यह स्वीकार किया कि दो साल पहले रॉयल्स का ऑक्शन उतना कारगर नहीं रहा था। उन्होंने कहा कि विकास पहलू के बारे में, हमने पिछले चार वर्षों में अपनी सोच पूरी तरह से बदल दी है। शायद दो साल पहले ऑक्शन में हमने अपने बजट का सही इस्तेमाल नहीं किया था, लेकिन कभी–कभी ऐसा हो जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि जो भी खिलाड़ी अब खेल रहे हैं – हां, कभी–कभी उनमें थोड़ा अनुभवहीनता होती है, लेकिन वे जीतने के लिए यहां हैं। प्लेऑफ में पहुंचने की बात पर असहमति के बावजूद, संगकारा ने पराग की जमकर प्रशंसा की, जिन्होंने इस सीजन में पहली बार फ्रेंचाइजी की कप्तानी की।

राजस्थान रायल्स और वैभव सूर्यवंशी का जादुई सफर खत्म! शुभमन गिल के शतक से गुजरात टाइटंस फाइनल में पहुंची

शुभमन गिल के शानदार शतक ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स और वैभव सूर्यवंशी के शानदार सफर का अंत कर दिया और सात विकेट से जीत दर्ज करके गुजरात टाइटंस ने तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली जहां सामना मौजूदा चौम्पियन रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरू से होगा। कप्तान शुभमन गिल के एक और क्लासिक शतक की बदौलत गुजरात टाइटंस (ळज) ने आईपीएल के बेहद रोमांचक नॉकआउट मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (त्त) को 7 विकेट से शिकस्त दे दी। इस जीत के साथ ही गुजरात ने तीसरी बार आईपीएल के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है, जहाँ रविवार को उनका सामना खिताब की रक्षा करने उतरने वाली मौजूदा चौंपियन रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरू (ल्ब्ठ) से होगा। इस हार के साथ ही इस पूरे सीजन में क्रिकेट प्रेमियों के दिलों पर राज करने वाली राजस्थान रॉयल्स और उनके 15 वर्षीय युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी का शानदार सफर समाप्त हो गया। इस सत्र में नित नया इतिहास रचने वाले वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर 47 गेंद में 96 रन की पारी खेली और आखिरी ओवर में डोनोवन फरेरा ने राशिद खान को चार छक्के जड़कर राजस्थान रॉयल्स को छह विकेट पर 214 रन तक पहुंचाया।जवाब में गिल और साइ सुदर्शन ने पहले विकेट के लिये 77 गेंद में 167 रन की साझेदारी करके मैच को रॉयल्स की जद से बाहर कर दिया और गुजरात ने आठ गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की। गिल ने 53 गेंद में 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 104 रन बनाये जबकि सुदर्शन ने 32 गेंद में 58 रन बनाये जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल था।

सुदर्शन एक बार फिर अजीब ढंग से हिट विकेट होकर लौटे। गुजरात का सामना रविवार को अहमदाबाद में आरसीबी से होगा जिसने उसे धर्मशाला में हराया था। पहली बार 2022 में आईपीएल खेलकर खिताब जीतने वाली गुजरात का यह तीसरा फाइनल है। राजस्थान के लिये अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को पावरप्ले में विकेट नहीं मिली और बाकी गेंदबाजों ने निराश किया। गिल और सुदर्शन ने खालिस क्रिकेट शॉट खेलते हुए भी तेजी से रन बनाये।विश्व कप टीम से बाहर रहे गिल ने अपनी इस पारी के दम पर भारत की टी20 टीम में वापसी का दावा पुख्ता कर दिया है। इससे पहले पिछले क्वालीफायर की तुलना में मैदान में आज ज्यादा भीड़ थी और अधिकांश दर्शक 15 बरस के सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखने आये थे।सूर्यवंशी ने कैगिसो रबाडा और जैसन होल्डर जैसे बेहतरीन गेंदबाजों को दमदार शॉट्स

लगाये। दूसरे ओवर में यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल के विकेट गंवाने के बाद सूर्यवंशी ने संभलकर बल्लेबाजी की। मोहम्मद सिराज, रबाडा और प्रसिद्ध कृष्णा उन्हें शरीर पर शॉर्ट लैंग्थ गेंद और बाउंसर डालने के इरादे से ही उतरे थे।लगातार दूसरा मैच इसी पिच पर होने से गेंद बल्ले पर उतनी आसानी से नहीं आ रही थी जैसे एलिमिनेटर में देखा था। शुरूआत में सूर्यवंशी को गेंदबाजों ने खुलकर खेलने नहीं दिया। इसके बावजूद उन्होंने बेखौफ खेल जारी रखा और रबाडा को 153 किमी की रफ्तार से शानदार छक्का जड़ा।मैच के हालात को देखते हुए चौथे आठवें ओवर में 'रिटायर्ड हर्ट' हो गए लेकिन डैथ ओवरों में फरेरा की मदद के लिये आये। फरेरा ने 11 गेंद में नाबाद 38 रन बनाये। सूर्यवंशी को 46 के स्कोर पर साइ सुदर्शन ने जीवनदान भी दिया। इसके बाद उन्होंने टूर्नामेंट में छठा अर्धशतक पूरा किया और बीच के ओवरों में जमकर रन बनाये। रबाडा की गेंदहेलमेट पर लगने के बावजूद सूर्यवंशी ने दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज को चारों तरफ शॉट्स लगाये। वह शतक की ओर बढ रहे थे लेकिन लगातार दूसरे मैच में चूक गए।

नंबर पर भेजे गए रविंद्र जडेजा (35 गेंद में नाबाद 45) ने तेज गेंदबाजों को खासी नसीहत दी। टेनिस एल्बो से जूझ रहे जडेजा

रियान पराग को वैभव सूर्यवंशी में दिखा टीम इण्डिया का भविष्य,

आईपीएल क्वालीफायर में हार के बाद राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ करते हुए उम्मीद जताई कि वह भविष्य में देश के लिए भी इसी तरह का प्रदर्शन करेंगे। पराग ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शुभमन गिल की शतकीय पारी को जीत का कारण बताते हुए कहा कि 230–240 का स्कोर चुनौतीपूर्ण होता। आईपीएल के दूसरे क्वालीफायर में पराजय के बाद राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने इस सत्र में 237 की स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाने वाले 15 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह देश के लिये भी इसी तरह खेलेंगे। सूर्यवंशी के 47 गेंद में 96 रन की मदद से रॉयल्स ने छह विकेट पर 214 रन बनाये लेकिन शुभमन गिल के शतक की मदद से गुजरात टाइटंस ने आठ गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की। सूर्यवंशी ने एलिमिनेटर में 97 रन की पारी खेली थी। मैच के बाद पराग ने सूर्यवंशी के बारे में पूछे जाने पर कहा ,''मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता कि वैभव किस तरह से खेला है। वह ताबड़तोड़ रन बना रहा था लेकिन मैच हालात को भांपकर खेल रहा था। उसने बेहतरीन खेला और समझ में नहीं आता कि हर बार वह ऐसा कैसे कर लेता है।' उन्होंने कहा ,'' उम्मीद है कि वह देश के लिये भी इसी तरह से खेलता रहेगा और जीत में योगदान देगा। हमारे लिये भी खेलता रहेगा और

हमें दूसरा आईपीएल खिताब दिलायेगा।'' राजस्थान ने 2008 में शेन वॉर्न की कप्तानी में पहला आईपीएल जीता था।

पराग ने यह भी कहा कि 230 . 240 का स्कोर चुनौतीपूर्ण होता। उन्होंने कहा ,'' मुझे लगा था कि 214 अच्छा स्कोर है लेकिन भारी रोलर के बाद विकेट बेहतर हो गया।

एमआई की कैप्टीनीटी पर फैंस का बड़ा सर्वे, रोहित शर्मा को पछाड़ बुमराह बने नंबर वन

मुंबई इंडियंस के अगले कप्तान को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं, जहां एक फैन सर्वे में जसप्रीत बुमराह सबसे आगे हैं और उन्हें 44: समर्थन मिला है। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद रोहित शर्मा भी 27: वोटों के साथ कप्तानी की दौड़ में बने हुए हैं। मुंबई इंडियंस के लिए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का सीजन बेहद निराशाजनक रहा और अब टीम की कप्तानी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पांच बार की चौंपियन टीम इस बार पूरे सीजन में लय में नजर नहीं आई और 14 मुकाबलों में सिर्फ चार जीत हासिल कर सकी। टीम को 10 मैचों में हार का सामना करना पड़ा और वह लीग चरण से ही बाहर हो गई।गौरतलब है कि लगातार खराब प्रदर्शन के बाद हार्दिक पांड्या की कप्तानी पर सवाल उठने लगे हैं। क्रिकेट जानकारों से लेकर प्रशंसकों तक, कई लोग अब मुंबई इंडियंस के अगले कप्तान को लेकर अपनी राय दे रहे हैं।मौजूद जानकारी के अनुसार एक सर्वे में प्रशंसकों से पूछा गया कि इंडियन प्रीमियर लीग 2027 में मुंबई इंडियंस की कप्तानी किसे सौंपी जानी चाहिए। इस सर्वे में सबसे ज्यादा समर्थन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को मिला है। करीब 44 प्रतिशत प्रशंसकों ने बुमराह को अगले कप्तान के रूप में पसंद किया है।बता दें कि इस सीजन में पंजाब किंग्स के खिलाफ एक मुकाबले में हार्दिक पांड्या और सूर्यकुमार यादव की गैरमौजूदगी में जसप्रीत बुमराह ने टीम की कप्तानी की थी। उस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने जीत हासिल की थी और बुमराह की कप्तानी की काफी तारीफ हुई थी।मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा भी इस चर्चा में पीछे नहीं हैं। सर्वे में उन्हें 27 प्रतिशत से ज्यादा समर्थन मिला है। रोहित शर्मा की कप्तानी में ही मुंबई इंडियंस ने पांच बार इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब जीता था और टीम को दुनिया की सबसे सफल क्रिकेट फ्रेंचाइजियों में शामिल किया था।वहीं युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को 17 प्रतिशत और सूर्यकुमार यादव को करीब 10 प्रतिशत समर्थन मिला है। हालांकि ज्यादातर क्रिकेट जानकारों का मानना है कि मौजूदा समय में जसप्रीत बुमराह टीम के लिए सबसे संतुलित विकल्प साबित हो सकते हैं।गौरतलब है कि हार्दिक पांड्या ने अपने इंडियन प्रीमियर लीग करियर की शुरुआत मुंबई

इंडियंस से ही की थी। बाद में उन्हें वर्ष 2022 से पहले टीम ने रिलीज कर दिया था, जिसके बाद वह गुजरात टाइटंस के कप्तान बने। हार्दिक ने अपने पहले ही सीजन में गुजरात को चौंपियन बनाया और अगले साल टीम को फिर फाइनल तक पहुंचाया था।इसके बाद वर्ष 2024 में हार्दिक पांड्या की मुंबई इंडियंस में वापसी हुई और उन्हें रोहित शर्मा की जगह कप्तान बनाया गया। लेकिन यह फैसला टीम के लिए ज्यादा सफल साबित नहीं हुआ। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में मुंबई इंडियंस अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी।हालांकि वर्ष 2025 में टीम ने कुछ सुधार जरूर दिखाया और अंतिम चार तक पहुंचने में सफल रही थी। मुंबई इंडियंस ने एलिमिनेटर मुकाबले में गुजरात टाइटंस को हराया था, लेकिन दूसरे क्वालीफायर में पंजाब किंग्स से हारकर बाहर हो गई थी।इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से मुंबई इंडियंस को बड़ी उम्मीदें थीं और माना जा रहा था कि टीम छह साल बाद खिताब जीत सकती है। लेकिन पूरे सीजन में टीम बल्लेबाजी, गेंदबाजी और रणनीति तीनों मोर्चों पर संघर्ष करती नजर आई। हार्दिक पांड्या भी कुछ मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहे थे।

इंडियनप्रीमियर लीग (आईपीएल) के जनक ललित मोदी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के जनक ललित मोदी के अनुसार, लीग का जन्म 2005 के उस ऐतिहासिक बीसीसीआई चुनाव के बाद हुआ, जिसमें शरद पवार ने जीत हासिल की थी। मोदी का दावा है कि यह चुनाव भारतीय क्रिकेट का सबसे बड़ा मोड़ था, जिसने क्रिकेट को एक नए कारोबारी स्तर पर पहुंचाकर आईपीएल जैसी क्रांति को जन्म दिया। भारतीय क्रिकेट की सबसे बड़ी और सबसे कमाई करने वाली प्रतियोगिता मानी जाने वाली इंडियन प्रीमियर लीग की शुरुआत के पीछे किस तरह की राजनीतिक और प्रशासनिक लड़ाई चली थी, इसको लेकर अब ललित मोदी ने कई बड़े दावे किए हैं।इंडियन प्रीमियर लीग के संस्थापक माने जाने वाले ललित मोदी ने हाल ही में एक बातचीत में बताया कि वर्ष 2005 में भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के चुनावों में शरद पवार को अध्यक्ष बनवाने के लिए उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थी। उनका कहना है कि अगर उस समय शरद पवार बोर्ड के अध्यक्ष नहीं बनते, तो इंडियन प्रीमियर लीग की शुरुआत संभव नहीं हो पाती।

गौरतलब है कि इंडियन प्रीमियर लीग ने भारतीय क्रिकेट की तस्वीर पूरी तरह बदल दी थी। इस प्रतियोगिता ने क्रिकेट को नए कारोबारी स्तर पर पहुंचाया और भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड को दुनिया का सबसे ताकतवर क्रिकेट संगठन बना दिया। हालांकि ललित मोदी खुद लंबे समय से विवादों में रहे हैं, लेकिन इस प्रतियोगिता की नींव रखने में उनकी भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।मौजूद जानकारी के अनुसार ललित मोदी ने बताया कि उस दौर में भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के भीतर दो बड़े गुटों के बीच जबरदस्त संघर्ष चल रहा था। एक तरफ शरद पवार का समूह था, जबकि दूसरी तरफ जगमोहन डालमिया का प्रभाव बना हुआ था। उन्होंने दावा किया कि चुनाव जीतने के लिए दोनों पक्षों के बीच लगातार रणनीति, दबाव और समर्थन जुटाने की कोशिशें चल रही थीं।ललित मोदी के मुताबिक शुरुआती चुनाव में उनका पक्ष केवल एक वोट से हार गया था। उन्होंने दावा किया कि पुणे क्रिकेट संघ के भीतर मतभेद और आखिरी समय में बदले समर्थन के कारण यह हार हुई थी। इसके बाद अगले साल संघर्ष और भी ज्यादा बढ़ गया था।बता दें कि ललित मोदी ने उस समय के कई बड़े क्रिकेट प्रशासकों के नाम भी लिए। उन्होंने दावा किया कि अनुराग ठाकुर, अरुण जेटली, एन श्रीनिवासन और राजीव शुक्ला जैसे कई प्रभावशाली लोग जगमोहन डालमिया के पक्ष में थे। हालांकि उन्होंने कहा कि लगातार संपर्क और रणनीति के जरिए उनके समूह ने आखिरकार बोर्ड के सदस्यों का भरोसा जीत लिया था।गौरतलब है कि ललित मोदी ने वर्ष 2005 के चुनावों को भारतीय क्रिकेट प्रशासन का सबसे नाटकीय दौर बताया है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव के दौरान अदालत तक मामला पहुंच गया था और सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की निगरानी में चुनाव कराने का आदेश लिया गया था। उनके अनुसार कोलकाता में हुई उस बैठक के दौरान भारी हंगामा हुआ था और पुलिस व्यवस्था तक करनी पड़ी थी।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान कई सदस्यों को होटल के कमरों में रोका गया और कुछ लोगों की उड़ानों तक का रास्ता बदल दिया गया था ताकि मतदान प्रभावित किया जा सके। ललित मोदी ने स्वीकार किया कि उनके समूह ने भी कुछ सदस्यों की उड़ानों को दूसरी जगह मोड़ने की रणनीति अपनाई थी। उनका कहना था कि उस समय यह चुनाव किसी बड़े राजनीतिक मुकाबले जैसा बन चुका था। मौजूद जानकारी के अनुसार अंत में शरद पवार का समूह चुनाव जीतने में सफल रहा और उसी के बाद भारतीय क्रिकेट में बड़े बदलाव की शुरुआत हुई।

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देने का फैसला किया

आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स के निराशाजनक 10वें स्थान पर रहने के बाद ऋषभ पंत ने टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। फ्रेंचाइजी ने उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है, जो 27 करोड़ रुपये में खरीदे गए पंत के खराब व्यक्तिगत और टीम प्रदर्शन का परिणाम है। अब एलएसजी नए कप्तान और रणनीति के साथ टीम का पुनर्गठन करेगी।आईपीएल 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, ऋषभ पंत ने लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देने का फैसला किया है। एलएसजी ने शुक्रवार, 29 मई को इस खबर की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्होंने पंत के कप्तानी से मुक्त होने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। आईपीएल 2025 की नीलामी में पंत लखनऊ के लिए एक शानदार खिलाड़ी साबित हुए थे, जिन्हें फ्रेंचाइजी ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा था।लखनऊ स्थित फ्रेंचाइजी ने ग पर एक बयान जारी किया जिसमें उन्होंने कहा कि 28 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज, जो आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपये में एलएसजी में शामिल हुए थे, ने आईपीएल 2026 में निराशाजनक

10वें स्थान के बाद फ्रेंचाइजी से कप्तानी की जिम्मेदारियों से मुक्त होने का अनुरोध किया था, और फ्रेंचाइजी ने इसे तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने एक बयान में कहा कि लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) औपचारिक रूप से यह घोषणा करना चाहता है कि ऋषभ पंत ने फ्रेंचाइजी से कप्तानी के कर्तव्यों से मुक्त होने का अनुरोध किया है, और फ्रेंचाइजी ने उनके अनुरोध को तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है।एलएसजी के क्रिकेट निदेशक टॉम मूडी ने कहा कि ऋषभ ने फ्रेंचाइजी से यह अनुरोध किया था और हमने इसे सहर्ष स्वीकार कर लिया है। ऐसे फैसले लेना कभी आसान नहीं होता। कप्तान के रूप में ऋषभ ने इस ड्रेसिंग रूम में जो कुछ भी योगदान दिया है, उसके लिए हम उनके आभारी हैं। अब हमारा ध्यान टीम पर है दृ सर्वश्रेष्ठ स्तर तक पहुंचने के लिए टीम का पुनर्निर्माण और पुनर्गठन करना। पंत ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए आईपीएल 2024 के शानदार सीजन के बाद एलएसजी ज्वाइन किया था, जिसमें उन्होंने 13 मैचों में 446 रन बनाए थे। हालांकि, एलएसजी के लिए 28 मैचों में उन्होंने 26.4 के औसत और 135.74 के स्ट्राइक रेट से 581 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक शतक और सिर्फ दो अर्धशतक लगाए। अब लखनऊ को नए सिरे से रणनीति बनानी होगी और एक नए कप्तान की तलाश करनी होगी। उनके पास मिचेल मार्श, एडन मार्कराम और निकोलस पूरन जैसे दावेदार मौजूद हैं जो अपने करियर में राष्ट्रीय टीमों की कप्तानी कर चुके हैं।

मुंबईकरों को महंगाई का एक और झटका! सीएनजी 2 और पीएनजी 50 पैसे महंगी, जानें नई दरें और जेब पर असर

मुंबई के लोगों को अब ईंधन और कुकिंग गैस के लिए ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे, क्योंकि सरकारी गैस डिस्ट्रीब्यूटर महानगर गैस लिमिटेड (डळस्) ने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (ब्छळ) और पाइप वाली नेचुरल गैस (च्छळ) की कीमतों में फिर से बढ़ोतरी का ऐलान किया है। मुंबई और उसके आस–पास के इलाकों में रहने वाले लोगों को अब ईंधन और रसोई गैस के लिए अपनी जेब और ढीली करनी होगी। सरकारी गैस डिस्ट्रीब्यूटर महानगर गैस लिमिटेड (डळस्) ने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (ब्छळ) और घरेलू पाइप वाली नेचुरल गैस (च्छळ) की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी का एलान कर दिया है। कंपनी द्वारा घोषित की गई ये नई दरें 30 मई 2026 से प्रभावी हो गई हैं। इस फैसले से मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (डऽत्) के लाखों परिवारों और वाहन चालकों का मासिक बजट प्रभावित होने की आशंका है।हाल के हफ्तों में डळस् द्वारा ब्छळ की कीमतों में की गई यह दूसरी बढ़ोतरी है। इससे पहले, कंपनी ने 14 मई को ब्छळ की दरें 2 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाई थीं। कीमतों में यह ताजा बदलाव मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई और मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (डऽत्) के अन्य हिस्सों में लागू होगा। डळस् कल्याण, रायगढ़, रत्नागिरी, लातूर, उस्मानाबाद, चित्रदुर्ग और दावणगेरे जैसे कई अन्य शहरों में भी गैस की सप्लाई करती है।इस बढ़ोतरी का असर हजारों ऑटो–रिक्शा चालकों, टैक्सी ऑपरेटरों और निजी वाहन मालिकों पर पड़ने की उम्मीद है, जो ब्छळ को एक अपेक्षाकृत सस्ता ईंधन विकल्प मानते हैं। ईंधन की कीमतें फिर से बढ़ने से ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों को डर है कि उनके परिचालन खर्च (ऑपरेटिंग कॉस्ट) और बढ़ जाएंगे, जिससे आने वाले हफ्तों में किराए पर दबाव पड़ सकता है।उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने संकेत दिया है कि अगर ईंधन की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं, तो वे परिवहन अधिकारियों के सामने किराए में संशोधन के प्रस्ताव पेश कर सकते हैं।च्छळ की कीमतों में बढ़ोतरी 31 लाख से ज्यादा परिवारों को चुकाने होंगे ज्यादा पैसे च्छळ की कीमतों में बढ़ोतरी का असर घरों के बजट पर भी पड़ेगा। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में 31 लाख से ज्यादा परिवार खाना पकाने के लिए पाइप वाली नेचुरल गैस पर निर्भर हैं, और अब उन्हें हर महीने ज्यादा बिल चुकाने होंगे। हालांकि यह बढ़ोतरी मामूली लग सकती है, लेकिन यह ऐसे समय में हुई है जब उपभोक्ता पहले से ही बढ़ती महंगाई और जीवन–यापन की बढ़ती लागत से जूझ रहे हैं।कीमतें क्यों बढ़ी हैं?डळस् के अधिकारियों के हवाले से मिली रिपोर्टों के अनुसार, कई वैश्विक और घरेलू कारकों के चलते गैस खरीदने की लागत बढ़ गई है।

मैजिक देखने के लिए तैयार हो जाइए, मृणाल ठाकुर ने दिया खास प्रोजेक्ट का हिंट

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी कॉमेडी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। इस बीच उन्होंने खुलासा किया है कि वह किसी बहुत खास प्रोजेक्ट के लिए डबिंग कर रही हैं और जल्द ही इसकी घोषणा करेंगी। मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर डबिंग स्टूडियो से एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कहती नजर आ रही हैं, ऑल राइट, लेट्स गो! उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, कुछ बहुत–बहुत खास के लिए डबिंग कर रही हूं! उस जादू को देखने का इंतजार नहीं कर सकती, जिसे हमने बनाया है। मेरा दिल बेहद भावुक है और मैं भगवान की बहुत आभारी हूं! जल्द ही घोषणा करूंगी।है जवानी तो इश्क होना है जून में रिलीज होने जा रही है। डेविड धवन के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक ऐसे लड़के की कहानी है, जिसे कई लड़कियों ने रिजेक्ट कर दिया था। वह अकेलेपन के साथ जिंदगी बिता रहा था लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि उसके जीवन में बड़े बदलाव आते हैं।जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि है जवानी तो प्यार होना है डेविड धवन की फिल्म बीवी नंबर 1 का एक सुपरहिट गाना है, जिसमें सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन नजर आए थे। माना जा रहा है कि आने वाली इस फिल्म का नाम इसी लोकप्रिय गाने से प्रेरित है।यह डेविड धवन की आखिरी फिल्म होगी। उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत 1989 में फिल्म ताकतवर से की थी।डेविड धवन ने अपने करियर में 45 फिल्मों का निर्देशन किया है। इनमें आंखें, बीवी नंबर 1, जुड़वा, कुली नंबर 1, हीरो नंबर 1, दीवाना मस्ताना, शोला और शबनम, राजा बाबू, बड़े मियां छोटे मियां, हसीना मान जाएगी, दुल्हन हम ले जाएंगे, मुझसे शादी करोगी, मैंने प्यार क्यों किया?, पार्टनर, चश्मे बद्दूर और मैं तेरा हीरो जैसी फिल्में शामिल हैं।वहीं,

मृणाल ठाकुर ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। वह मुझसे कुछ कहती... ये खामोशियां और कुमकुम भाग्य जैसे टीवी शो में नजर आई थीं। उन्होंने 2018 में फिल्म लव सोनिया से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया था।

ईशा सिंह ने याद किए संघर्ष के दिन, कहा- कठिन शुरुआत के बाद सब छोड़कर घर चली गई थी

मनोरंजन जगत की चकाचौंध भरी दुनिया में नाम बनाना आसान नहीं है। किस्मत और मेहनत के दम पर काम तो मिल जाता है, लेकिन इंडस्ट्री की थका देने वाली भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी के कारण कई लोग यहां से दूरी बना लेते हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री ईशा सिंह के साथ हुआ था। अभिनेत्री ईशा सिंह ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि उनका शुरुआती सफर बेहद मुश्किलों और चुनौतियों से भरा रहा था। अभिनेत्री ने शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद करते हुए बताया, मेरा शुरुआती दौर यकीनन बहुत मुश्किलों भरा था। एक वक्त तो ऐसा भी था, जब परेशान होकर मैंने अपना पहला शो बीच में ही छोड़ दिया था और वापस अपने घर भोपाल चली गई थी, लेकिन मेरा मानना है कि भगवान ने मेरे लिए कुछ और ही सोच रखा था। उनकी कृपा और मेरी मेहनत की वजह से ही आज मैं इस मुकाम पर खड़ी हूं। हालांकि, ईशा ने ये भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में उन्हें लोगों का भी बहुत साथ मिला और कभी आउटसाइडर जैसा महसूस नहीं हुआ। उन्होंने बताया, मुझे यहां पर बहुत अच्छे लोग मिले, जिन्होंने कभी यह एहसास होने नहीं दिया कि मैं बाहर से आई हूं। हां, शुरुआत में कुछ मुश्किलें आईं क्योंकि मैं बिल्कुल नई थी और काम सीख रही थी, लेकिन तब से लेकर अब तक मैंने एक लंबा सफर तय किया है। दर्शकों ने मुझे जो प्यार दिया उसके लिए मैं उनकी शुक्रगुजार हूं।अभिनेत्री ईशा सिंह कई म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शो बिग–बॉस में भी नजर आ चुकी हैं, जहां उन्हें दर्शकों से प्यार मिला, तो कई बार ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री का कहना है, रियलिटी शोज आपको जनता के सामने एक खुली किताब की तरह रख देते हैं। लोग लगातार आपकी आलोचना करते हैं, लेकिन अब मैंने सीख लिया है कि इन नकारात्मक बातों का खुद पर असर न होने दूं। आज मैं मानसिक और भावनात्मक, दोनों ही स्तर पर पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी हूं।जब आईएएनएस ने अभिनेत्री ईशा सिंह से पूछा, खबरें हैं कि आप अपने आने वाले किसी प्रोजेक्ट में एक ऑटिस्टिक किरदार निभाती हुई नजर आ सकती हैं। आपको इस तरह के संवेदनशील विषयों की ओर क्या चीज आकर्षित करती है?

अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, यह एक बहुत ही खूबसूरत प्रोजेक्ट है और सही समय आने पर मैं इसके बारे में जरूर बात करूंगी, लेकिन अभी के लिए, मेरा पूरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अपनी फिल्म ऑब्सेस पर ही केंद्रित है।

कंगना की फिल्म भारत भाग्य विधाता का दमदार मोशन पोस्टर रिलीज, आम लोगों की बहादुरी को किया सलाम

अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म भारत भाग्य विधाता को लेकर चर्चा में है। इस फिल्म का नया मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें कई अनदेखे नायकों को सम्मान दिया गया है। इस मोशन पोस्टर का टाइटल द अनसीन हीरोज रखा गया है। पोस्टर में देश के उन हीरोज को एक ट्रिब्यूट है, जो हमेशा हमारे आसपास रहते हैं। यह उन नर्सों, वार्ड बॉय, क्लीनर्स, लिफ्ट ऑपरेटर्स, सिक्योरिटी स्टाफ और एडमिनिस्ट्रेटर्स को सम्मान देता है, जिन्होंने 2008 के मुंबई टेरर अटैक्स के दौरान हिम्मत दिखाई थी। फिल्म में कंगना रनौत मुख्य भूमिका निभा रही हैं। कहानी का बड़ा हिस्सा अस्पताल से जुड़ा दिखाया गया है, जहां डर और अफरा–तफरी होने के बावजूद अंदर मौजूद लोग हिम्मत और समझदारी से हालात संभालते हैं। फिल्म यह बताने की कोशिश करती है कि संकट के समय इंसानियत सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

कंगना रनौत ने फिल्म को लेकर कहा, भारत भाग्य विधाता उन अनदेखे लोगों को समर्पित है, जो संकट के समय इंसानियत की ढाल बनकर सामने आते हैं। जब कोई बड़ा हादसा या आपदा आती है, तो लोग सबसे पहले पुलिस, सेना या सरकार की तरफ उम्मीद से देखते हैं। लेकिन इस फिल्म में उन लोगों की कहानी दिखाई गई है, जो बिना किसी पहचान या सम्मान की उम्मीद के दूसरों के लिए खड़े हो जाते हैं।

कंगना ने आगे कहा, इस फिल्म में दिखाए गए लोग वे हैं जिनकी वर्दी पर कभी ध्यान नहीं जाता। खून से सने एप्रन पहनने वाले अस्पताल कर्मचारी, साधारण कपड़ों में काम करने वाले लोग और मरीजों की सेवा में लगे कर्मचारी ही असली बहादुर होते हैं। असली साहस किसी मेडल या इनाम का इंतजार नहीं करता। यह अपने आप सामने आ जाता है, जब इंसान दूसरों की जान बचाने के लिए खुद को खतरे में डाल देता है।

फिल्म के प्रेजेंटर और निर्माता डॉ. जयंतीलाल गडा ने भी फिल्म के संदेश पर बात की। उन्होंने कहा, भारत जैसे देश में एक–दूसरे के प्रति अपनापन और संवेदनशीलता को जोड़कर रखा जाता है। जब संकट आता है, तो एक भारतीय खुद–ब–खुद दूसरे भारतीय की मदद के लिए आगे बढ़ता है। यही भावना फिल्म की आत्मा है। भारत भाग्य विधाता उन सच्चाइयों को याद दिलाने की कोशिश है, जिन्हें समय के साथ लोग भूल जाते हैं।

फिल्म के लेखक और निर्देशक मनोज तापड़िया ने कहा, आज के दौर में फिल्मों में गोलीबारी, धमाके और हिंसा दिखाना आसान है लेकिन खामोश बहादुरी को पर्दे पर उतारना सबसे मुश्किल काम होता है। फिल्म में उन छोटे–छोटे पलों को पकड़ने की कोशिश की गई है, जब एक साधारण इंसान अपने डर को पीछे छोड़कर दूसरों की रक्षा करने का फैसला करता है।

फिल्म में कंगना रनौत के अलावा गिरिजा ओक, स्मिता तांबे, अमृता नामदेव, ईशा डे, प्रिया बेर्डे, आशा शेलार, सुहिता थट्टे, रसिका आघासे, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान जैसे कलाकार नजर आएंगे। भारत भाग्य विधाता को डॉ. जयंतीलाल गडा की पेन स्टूडियोज प्रस्तुत कर रही है।

अंडर 18 में किच्चा सुदीप की एंट्री, सच्ची घटनाओं पर आधारित होगी ऐश्वर्या राजेश-विक्रांत की फिल्म

साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों निर्देशक कार्तिक पेरुमल स्वामी की नई फिल्म अंडर 18 लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कहानी को लेकर लोगों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता थी, लेकिन अब इसमें सुपरस्टार किच्चा सुदीप की एंट्री ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसका आधिकारिक ऐलान किया। फिल्म को प्रोड्यूस कर रही एसआर प्रोडक्शंस ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किच्चा सुदीप का स्वागत किया। पोस्ट में लिखा, बादशाह आ चुके हैं। पावरहाउस परफॉर्मर किच्चा सुदीप का अंडर 18 में स्वागत है। सफर में एक बड़ा बदलाव अब शुरू होता है। फिल्म से उनके जुड़ने के ऐलान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। लोग अब यह जानने के लिए और ज्यादा उत्सुक हैं कि फिल्म में किच्चा सुदीप का किरदार कैसा होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी उनके रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है।

अंडर 18 का निर्देशन कार्तिक पेरुमल स्वामी कर रहे हैं। खास बात यह है कि वह इससे पहले मशहूर निर्देशक वेत्रिमारन के साथ बतौर एसोसिएट डायरेक्टर काम कर चुके हैं।

फिल्म में अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश और अभिनेता विक्रांत मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके साथ अभिनेता किशोर भी अहम रोल निभाते दिखाई देंगे। बताया जा रहा है कि फिल्म एक इमोशनल ड्रामा होगी, जिसमें अपराध की दुनिया का ऐसा चेहरा दिखाया जाएगा, जो आमतौर पर लोगों की नजरों से दूर रहता है। फिल्म सिर्फ अपराध की कहानी नहीं होगी, बल्कि यह भी दिखाएगी कि किसी एक घटना का असर पूरे परिवार की जिंदगी पर कैसे पड़ता है। निर्देशक कार्तिक पेरुमल स्वामी ने इस कहानी के लिए तमिलनाडु के कई अनजान की है। अपराध से जुड़े पहलुओं पर रिसर्च

इंस्पेक्टर अविनाश को असली अविनाश मिश्रा से मिला प्यार, रणदीप हुड्डा बोले- मेरे लिए इससे बड़ा सम्मान नहीं

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों क्राइम और पुलिस अधिकारियों की सच्ची कहानियों पर बनी सीरीज दर्शकों को खूब पसंद आ रही हैं। इन्हीं में से एक है अभिनेता रणदीप हुड्डा की वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश, जिसने दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। यह कहानी असली पुलिस अधिकारी अविनाश मिश्रा की जिंदगी से प्रेरित है, जिसका किरदार रणदीप हुड्डा ने निभाया है। अब इस सीरीज को लेकर एक ऐसा पल सामने आया है, जिसने अभिनेता को भावुक कर दिया। दरअसल, रणदीप हुड्डा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खास तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में वह असली इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा के साथ नजर आ रहे है। दोनों एक–दूसरे के साथ मुस्कुराते हुए दिखाई दे रहे हैं। तस्वीरों में दोनों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिखाई दे रही है। एक तस्वीर में रणदीप और अविनाश मिश्रा साथ खड़े होकर कैमरे की ओर देख रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में दोनों बातचीत करते और हंसते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों ने फैंस का दिल जीत लिया। तस्वीरों के साथ रणदीप हुड्डा ने कैप्शन में लिखा, जब असली इंस्पेक्टर अविनाश खुद को पर्दे पर देखकर खुश और गर्व महसूस करते हैं, तो इससे बड़ा सम्मान मेरे लिए कोई और नहीं हो सकता। इंस्पेक्टर अविनाश को मिल रहे प्यार के लिए मैं बेहद खुश हूं। पूरी टीम और कलाकारों को इसके लिए बधाई।इस बीच इंस्पेक्टर अविनाश 2 के निर्देशक नीरज पाठक ने भी रणदीप हुड्डा की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया, रणदीप के साथ काम करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। वह अपने काम को लेकर इतने समर्पित रहते हैं कि अब दूसरे कलाकारों के साथ काम करते समय मुझे रणदीप जैसी मेहनत और लगन की कमी महसूस होती है।इंस्पेक्टर अविनाश में रणदीप हुड्डा के अलावा कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। उर्वशी रौतेला ने पूनम का किरदार निभाया है। वहीं अमित सियाल, शालिन भनोट, फ्रेडी दारूवाला और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकारों ने भी अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान खींचा है।

जबरदस्त केमिस्ट्री और किलर स्टाइल, कज कटेल 2 के प्रमोशन में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका ने लूटी लाइमलाइट

आगामी फिल्म कॉकटेल 2 के प्रमोशन में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना ने अपने स्टाइलिश लुक्स से सबका ध्यान खींचा, जहाँ कृति और रश्मिका के ग्लैमरस अंदाज के साथ शाहिद का कूल लुक चर्चा का विषय बना। तीनों सितारों की जबरदस्त केमिस्ट्री और यूनिक फैशन सेंस ने फिल्म की रिलीज से पहले ही दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है।आने वाली फिल्म श्कॉकटेल 2श को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा काफी तेज हो गई है। हाल ही में फिल्म के मुख्य कलाकार शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना एक प्रमोशनल इवेंट में नजर आए। इस दौरान इन तीनों सितारों ने अपनी कमाल की एनर्जी और जबरदस्त केमिस्ट्री से पूरे इवेंट में धूम मचा दी। यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।फिल्म के प्रमोशन के दौरान दोनों अभिनेत्रियों का फैशन सेंस देखने लायक था। कृति सेनन एक चमकीले हरे रंग की खूबसूरत ड्रेस में बेहद ग्लैमरस नजर आईं, जिसमें आधुनिक और पारंपरिक फैशन का एक बेहतरीन तालमेल देखने को मिला।

ब्लास्ट में अब्राहम बने नजर आएंगे अर्जुन चिदंबरम, फैमिली एंटरटेनर फिल्म को लेकर बढ़ा उत्साह

फिल्म निर्देशक सुभाष के राज की आने वाली फिल्म ब्लास्ट लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म को लेकर अब एक नई जानकारी सामने आई है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने खुलासा किया है कि अभिनेता अर्जुन चिदंबरम फिल्म में अब्राहम नाम का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में अर्जुन सरजा, प्रीति मुखुनधन और अभिरामी दिखाई देंगे। अब अर्जुन चिदंबरम के किरदार की जानकारी सामने आने के बाद फैंस फिल्म की कहानी को लेकर और ज्यादा उत्साहित हैं। अभी उनके किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि फिल्म में उनकी भूमिका काफी अहम होने वाली है। फिल्म का निर्माण कर रही एजीएस एंटरटेनमेंट ने एक्स टाइमलाइन पर लिखा, ब्लास्ट की दुनिया में अब्राहम से मिलिए। इसके साथ फिल्म की रिलीज डेट और पूरी टीम को भी टैग किया गया। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है।जानकारी के मुताबिक, ब्लास्ट 28 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म को सेंसर बोर्ड से यूए सर्टिफिकेट मिल चुका है। मेकर्स का दावा है कि फिल्म में एक्शन, इमोशन और मनोरंजन का पूरा पैकेज देखने को मिलेगा, जो हर उम्र के दर्शकों को पसंद आएगा। यह फिल्म परिवार के साथ बैठकर देखी जा सकती है।

फरवरी में मेकर्स ने घोषणा की थी कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। उस दौरान एजीएस एंटरटेनमेंट ने सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो भी शेयर किया था, जिसमें फिल्म के बीटीएस पल दिखाए गए थे। वीडियो में फिल्म की पूरी टीम शूटिंग खत्म होने की खुशी मनाती नजर आई थी। वीडियो शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा था कि फिल्म अब पूरी तरह तैयार है और हमें बेसब्री से इंतजार है कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देखें। फिल्म की एक और खास बात इसका संगीत है।

गवर्नर में आर्थिक संकट की कहानी, ट्रेलर में मनोज बाजपेयी के किरदार ने खींचा लोगों का ध्यान

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी की आने वाली फिल्म गवर्नर इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। मंगलवार को फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। यह फिल्म भारत के इतिहास के उस कठिन दौर को दिखाती है, जब देश 1990 के दशक में गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा था। उस समय भारत की आर्थिक स्थिति इतनी खराब थी कि देश दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गया था। ट्रेलर में डर, तनाव और देश को बचाने की कोशिशों को बेहद गंभीर अंदाज में दिखाया गया है। फिल्म के ट्रेलर में दिखाया जाता है कि देश की गिरती अर्थव्यवस्था को लेकर आम जनता में गुस्सा और बेचैनी है। लोग सरकार और आर्थिक हालात को लेकर चिंतित हैं। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि देश को आर्थिक रूप से टूटने से कैसे बचाया जाए। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि सरकार और बड़े अधिकारियों को कुछ कड़े फैसले लेने पड़ते हैं। फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित बताई जा रही है। कहानी भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकटों में से एक पर आधारित है। ट्रेलर में मनोज बाजपेयी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर के किरदार में नजर आएंगे। उनका किरदार देश की बिगड़ती आर्थिक स्थिति को संभालने और भारत को संकट से बाहर निकालने की कोशिश करता दिखाई देगा।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।